दैनिक

क्यूँ न लिखूँ सच

प्रातः कालीन

मुरादाबाद से प्रकाशित

बर्षः- 06
अंकः- 218
मुरादाबाद
(Sunday)
29 November 2026
पृष्ठः-8
मूल्यः- 3.00 रूपया

भारत सरकार से रजिस्टर्ड
RNI No.UPBIL/2021/83001

राष्ट्रीय हिंदी अंग्रेजी समाचार पत्र

प्रसारित क्षेत्र-बरेली, पीलीभीत, बदायूं, कासगंज, एटा, अलीगढ, संभल, श्रावस्ती, अलीगढ और उत्तराखंड

राष्ट्रपति मुर्मू बोलीं- भारत स्वदेशी युद्धपोत और पनडुब्बियां बना रहा; 427 नौसेना अधिकारी हुए पास आउट

राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने केरल में नौसेना अकादमी की पासिंग आउट परेड में समुद्री सुरक्षा को देश की अर्थव्यवस्था से जुड़ा बताया। उन्होंने स्वदेशी युद्धपोत निर्माण, आत्मनिर्भर रक्षा क्षमता और महिला अधिकारियों की भागीदारी की सराहना की।राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु शनिवार, 28 नवंबर को केरलम के कन्नूर जिले में स्थित भारतीय नौसेना अकादमी (ईएनए), एझिमाला की पासिंग आउट परेड में शामिल हुईं। अकादमी के ऑटम टर्म-2026 का यह समारोह एझिमाला के परेरा परेड ग्राउंड में आयोजित किया गया।



राष्ट्रपति इस कार्यक्रम में मुख्य अतिथि और निरीक्षण अधिकारी के रूप में शामिल हुईं।

राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि आज की आपस में जुड़ी दुनिया में समुद्री क्षेत्र का महत्व लगातार बढ़ रहा है। वैश्विक व्यापार का बड़ा हिस्सा समुद्री रास्तों से होता है। ऐसे में इन मार्गों की सुरक्षा सीधे देशों की आर्थिक खुशहाली और आम लोगों के दैनिक जीवन से जुड़ी है। उन्होंने कहा कि जहाजों की आवाजाही में किसी भी तरह की बाधा से जरूरी सामानों की आपूर्ति प्रभावित हो सकती है। इससे वस्तुओं की लागत बढ़ती है और आम नागरिकों पर अतिरिक्त आर्थिक बोझ पड़ता है।उन्होंने प्रशिक्षु अधिकारियों से कहा कि समुद्र में उनकी सेवा भारत के लोगों के जीवन से जुड़ी है। उनका काम देश की सुरक्षा, समृद्धि और नागरिकों के कल्याण में सीधे योगदान देता है।भारत में बन रहे युद्धपोत और पनडुब्बियां राष्ट्रपति मुर्मू ने कहा कि भारत अपनी स्वदेशी रक्षा क्षमताओं को लगातार मजबूत कर रहा है। अब बड़ी संख्या में युद्धपोत और पनडुब्बियां भारतीय शिपयार्ड में डिजाइन और तैयार की जा रही हैं। उन्होंने कहा कि यह आत्मनिर्भरता के प्रति भारत की प्रतिबद्धता और देश के इंजीनियरों, वैज्ञानिकों, कुशल श्रमिकों तथा उद्योगों की क्षमता पर भरोसे को दिखाता है। नौसेना के अधिकारी भी मजबूत और आत्मनिर्भर भारत की इस यात्रा का हिस्सा होंगे।ींने यह भी कहा कि दुनिया तेजी से बदल रही है। नई तकनीक युद्ध और समुद्री सुरक्षा का स्वरूप बदल रही है। भविष्य की सभी चुनौतियों का अनुमान लगाना संभव नहीं है, लेकिन प्रशिक्षण, परिस्थितियों के अनुसार खुद को ढालने की क्षमता और समर्पण से उनका सामना किया जा सकता है। विकसित भारत का लक्ष्य हर नागरिक को सम्मानजनक जीवन देना

राष्ट्रपति ने कहा कि देश के सभी प्रयासों का अंतिम उद्देश्य मजबूत, समृद्ध और विकसित भारत का निर्माण करना है। विकसित भारत का सपना केवल आर्थिक विकास या विकास के आंकड़ों तक सीमित नहीं है। इसका उद्देश्य ऐसा देश बनाना है, जहां हर नागरिक खुद को सुरक्षित महसूस करे, उसे आगे बढ़ने के अवसर मिलें और वह सम्मान तथा आत्मसम्मान के साथ जीवन जी सके। विकास का लाभ समाज के हर वर्ग और देश के हर कोने तक पहुंचना भी जरूरी है।

संक्षिप्त समाचार

केशव प्रसाद मौर्य बोले- सपा का घोषणा पत्र ढकोसला, गुंडों का साथ छोड़ दे तो बूथ पर एक वोट भी नहीं मिलेगा

उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने शनिवार को समाजवादी पार्टी के घोषणा पत्र को ढकोसला पत्र बताते हुए आरोप लगाया कि यदि सपा गुंडों का साथ छोड़ दे तो बूथ पर उसे एक वोट देने वाला भी नहीं मिलेगा।उत्तर प्रदेश के उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य शनिवार को महोबा पहुंचे। पुराने राजमहल में भाजपा विधायक बृजभूषण राजपूत के चाचा एवं पूर्व सांसद गंगाचरण राजपूत के भाई गिरजाचरण राजपूत के निधन पर शोक संवेदना व्यक्त की। इसके बाद आयोजित शोकसभा में उन्होंने आगामी चुनावों को लेकर भाजपा कार्यकर्ताओं और समर्थकों के सामने पार्टी की जीत का आहवान किया। उपमुख्यमंत्री ने कहा कि 2027 के विधानसभा चुनाव में भाजपा की तीसरी बार सरकार बनानी होगी। इससे 2029 में नरेंद्र मोदी को चौथी बार प्रधानमंत्री बनाने का रास्ता साफ होगा। उन्होंने सपा के घोषणा पत्र को ढकोसला पत्र बताते हुए कहा कि सपा कहती है कि अब गुंडई नहीं होने देंगे।अब सपा की सरकार कभी नहीं बनेगी एक वोट देने वाला भी नहीं मिलेगा। गुंडों और अपराधियों के बिना सपा की सांस चल सकती है क्या? उन्होंने आरोप लगाया कि सपा का मतलब गुंडागर्दी, अराजकता और महिलाओं की असुरक्षा है। प्रदेश में अब सपा की सरकार कभी नहीं बनेगी।उन्होंने राहुल गांधी और अखिलेश यादव पर निशाना साधते हुए कहा कि मोदी का विरोध करने वाले देश की जनता के विरोधी हैं।

नारी शक्ति से किया वादा पूरा करके रहेंगेः महिला आरक्षण विधेयक पर बोले पीएम, सोशल मीडिया पर साझा किया वीडियो

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि केंद्र सरकार महिलाओं को 33त्न आरक्षण देने का वादा पूरा करने के लिए प्रतिबद्ध है। उन्होंने भरोसा दिलाया कि आरक्षण लागू करने की सभी बाधाएं दूर की जाएंगी। सरकार संसद के विशेष सत्र में इससे जुड़े विधेयक पेश करने की तैयारी कर रही है।



प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि उनकी सरकार लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं के लिए 33 प्रतिशत आरक्षण लागू करने के रास्ते में आने वाली हर बाधा को दूर करेगी, और जो पार्टियां इस कदम का विरोध कर रही हैं, वे इसे रोक नहीं पाएंगी।पीएम मोदी ने क्या कहा? - अगले हफ्ते संसद के विशेष सत्र में परिसीमन से जुड़े महिला आरक्षण विधेयक पर चर्चा और उसे पारित करने से पहले, प्रधानमंत्री मोदी ने एक्स (ट्विटर) पर एक वीडियो संदेश जारी किया। इसमें उन्होंने कहा कि देश की नारी शक्ति से एक वादा किया गया है और सरकार उसे पूरा करने के लिए पूरी तरह प्रतिबद्ध है।संविधान (132वां संशोधन) विधेयक, 2026 के तहत लोकसभा की अधिकतम सदस्य संख्या बढ़ाकर 850 करने का प्रस्ताव है। इसमें राज्यों से 815 और केंद्र शासित प्रदेशों से 35 सदस्य हो सकेंगे। साथ ही, राज्य विधानसभाओं के लिए अधिकतम सीटों की सीमा भी 500 से बढ़ाकर 650 करने का प्रावधान है।

उन्होंने कहा, महिला आरक्षण का विरोध करने वाली पार्टियां देश की नारी शक्ति को संसद और विधानसभाओं में अपनी भागीदारी बढ़ाने से कभी नहीं रोक पाएंगी। यह बस समय की बात है।% पीएम मोदी ने कहा कि सरकार का संकल्प पक्का है और उसे देशभर की महिलाओं का समर्थन हासिल है।इसके साथ ही गृह मंत्री अमित शाह ने एक्स पर कहा, नारी शक्ति को जनप्रतिनिधित्व में भी मजबूत भागीदारी दिलाना मोदी सरकार का संकल्प रहा है। कल मोदी जी के नेतृत्व में केंद्रीय कैबिनेट द्वारा 132वें संविधान संशोधन विधेयक को दी गई मंजूरी के साथ ही देश की महिलाओं की दशकों पुरानी प्रतीक्षा समाप्त होने जा रही है। नारी शक्ति वंदन अधिनियम के माध्यम से महिलाओं को लोकसभा व विधानसभाओं में जो 33त्न आरक्षण दिया गया था, वह अब साकार होगा। विधानसभाओं में महिलाओं की कम से कम एक-तिहाई भागीदारी राज्यों और केंद्र शासित प्रदेशों की योजनाओं को और अधिक समावेशी बनाएगी, वहीं लोकसभा में उनकी उपस्थिति नीति निर्माण, कानून निर्माण और राष्ट्रीय प्राथमिकताओं के निर्धारण में एक नया आयाम जोड़ेगी।महिलाओं को शासन में मजबूत भागीदार बनाने वाली इस ऐतिहासिक पहल का सभी दल समर्थन करें।आगे कहा, कैबिनेट की ओर से 132वें संविधान संशोधन विधेयक को दी गई मंजूरी देश के सभी राज्यों में जनप्रतिनिधित्व बढ़ाने व शासन को जनता के और करीब लाने का बहुत बड़ा कदम है। साथ ही, इसमें अनुच्छेद 170(1) में संशोधन कर राज्य विधानसभाओं की सीटों की अधिकतम सीमा 500 से बढ़ाकर लगभग 650 करने का प्रस्ताव भी है। इस प्रावधान से उत्तर प्रदेश अविभाजित रहते हुए विधानसभा में अपना प्रतिनिधित्व बढ़ा सकेगा। साथ ही, महिलाओं को मिलने वाले एक-तिहाई आरक्षण से प्रदेश की महिलाओं को अब तक का सबसे बड़ा प्रतिनिधित्व मिलेगा।

विपक्ष की बैठकः खरगे बोले- चुनाव आयोग को परिसीमन का जिम्मा मिलना अस्वीकार्य, सरकार सीट बढ़ाकर सत्ता चाहती है



मल्लिकार्जुन खरगे के आवास पर हुई इंडिया गठबंधन की बैठक में परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक पर चर्चा हुई। विपक्ष ने चुनाव आयोग की भूमिका और एससी-एसटी के प्रतिनिधित्व को लेकर चिंता जताई। साथ ही 30 नवंबर से शुरू होने वाले संसद के विशेष सत्र में सरकार के प्रस्ताव का विरोध करने की साझा रणनीति बनाने पर जोर दिया।राज्यसभा में नेता प्रतिपक्ष मल्लिकार्जुन खरगे के घर इंडिया गठबंधन की बैठक हुई। इसमें संसद में परिसीमन से जुड़े संविधान संशोधन विधेयक को लेकर चर्चा की। साथ ही सरकार के संभावित कदम के खिलाफ साझा रणनीति तैयार की।

बैठक शनिवार सुबह 11ः30 बजे नई दिल्ली स्थित खरगे के 10, राजाजी मार्ग आवास पर हुई। इसमें विपक्षी दलों के इंडिया गुट के सभी घटक दलों के फ्लोर लीडर्स शामिल हुए। इसके अलावा गठबंधन से बाहर के विपक्षी दलों डीएमके, आम आदमी पार्टी (आप),बीजू जनता दल (बीजद) और शरद गुट से कोई नेता भी शामिल नहीं हुआ। बैठक के बाद से मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रेस कॉन्फ्रेंस की। उन्होंने कहा कि आज इंडिया अलायंस के सभी नेताओं ने मिलकर तय किया है कि जो मोदी सरकार की तरफ से जो संविधान संशोधन विधेयक लाया जा रहा है, वह लोकतंत्र के लिए बड़ा खतरा है। यह लोकतंत्र को खत्म कर के पूरी सत्ता अपने हाथ में लेने के लिए इन्होंने आज 800 पार का नारा दिया है। 400 पार का नारा तो खत्म हो गया। अब 850 से ज्यादा सीटें कर के सत्ता अपने पास लेना चाहते हैं। कांग्रेस अध्यक्ष ने दावा किया कि भारत चीन जैसा बन जाएगा, जहां बहुमत हासिल करने के लिए हजारों लोग एक साथ हाथ उठाते हैं। उन्होंने दावा किया, वे लोकतंत्र को खत्म करना चाहते हैं और सरकार को हमेशा के लिए भाजपा/आरएसएस के हाथों में सौंपना चाहते हैं। मनुस्मृति लागू की जाएगी, यह तय है। खरगे ने यह भी कहा कि इससे पहले भी भाजपा ने इस बिल को पास कराने की कोशिश की थी, लेकिन विपक्ष की एकजुट कोशिशों के कारण वे नाकाम रहे।ये अनुसूचित जाति और जनजातियों का ध्यान नहीं है, उनके साथ नाइंसाफी है। मैं आपको पढ़कर इसके नुकसान बताऊंगा। 2026 की जनगणना आने वाली है। अगर इसका डेटा आ जाता है और उससे एससी-एसटी को अपना शेयर नहीं मिलता। अभी के हिसाब से जो शेयर उन्हें मिल जाए उस पर बात चल रही है।

मायावती ने महिला आरक्षण का किया स्वागत, बोलीं- एससी-एसटी महिलाओं को भी मिले अलग आरक्षण

बसपा प्रमुख मायावती ने महिला आरक्षण के फैसले का स्वागत करते हुए अनुसूचित जाति और जनजाति की महिलाओं के लिए अलग आरक्षण की मांग की। उन्होंने परिसीमन के दौरान सीटों के निर्धारण में गड़बड़ी की आशंका जताई और केंद्र सरकार से पार्टी हित से ऊपर उठकर देशहित में निर्णय लेने की अपील की।बसपा प्रमुख मायावती ने महिला आरक्षण से जुड़े केंद्र सरकार के फैसले का स्वागत किया है। हालांकि, उन्होंने मांग की है कि अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति की महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण के भीतर अलग से आरक्षण देने की व्यवस्था की जानी चाहिए। मायावती ने



शनिवार को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर पोस्ट कर कहा कि इससे सदियों से शोषित, पीड़ित और उपेक्षित महिलाओं को राजनीति में उचित भागीदारी का अवसर मिल सकेगा। से ही सर्वसमाज की महिलाओं के सम्मान, सुरक्षा और राजनीति में उचित अवसर की पक्षधर रही है। पार्टी लोकसभा और राज्य विधानसभाओं में महिलाओं को 33 प्रतिशत आरक्षण जल्द लागू करने की मांग करती रही है। उन्होंने कहा कि बाबा साहेब डॉ. भीमराव आंबेडकर के समतामूलक संविधान की भावना के अनुरूप महिलाओं को राजनीतिक प्रतिनिधित्व मिलना चाहिए।बसपा प्रमुख ने कहा कि महिला आरक्षण में एससी और एसटी समाज की महिलाओं के लिए अलग से आरक्षण की व्यवस्था होती तो यह ऐतिहासिक कदम होता। उनके मुताबिक, जातिवाद, धनबल और बाहुबल से प्रभावित चुनावी राजनीति में इन वर्गों की महिलाओं को भी आगे बढ़ने और उचित भागीदारी का अवसर मिलना चाहिए। उन्होंने केंद्र सरकार से इस मांग पर सहानुभूतिपूर्वक विचार करने की अपील की।

काशी-तमिल संगमम का शुभारंभः उपराष्ट्रपति और सीएम ने किया उद्घाटन, नमो घाट पर उत्तर-दक्षिण की संस्कृति का संगम

काशी-तमिल संगमम का भव्य शुभारंभ शनिवार को हुआ। पांचवें संस्करण की थीम तिरुक्कुरल पयिलोम-तिरुक्कुरल अभ्यास करें रखी गई है। नमो घाट पर सांस्कृतिक कार्यक्रम की शुरुआत हो गई है। साथ ही यहां कई तरह के स्टाल भी लगाए गए हैं। काशी-तमिल संगमम के पांचवें संस्करण का उद्घाटन शनिवार को उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। इससे पहले उन्होंने काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन किए। इसके अलावा काशी-तमिल संगमम के लिए तमिलनाडु से 250 छात्र काशी आए हैं। इन सभी छात्रों ने सुबह



काशी विश्वनाथ मंदिर में दर्शन-पूजन किए। इस दौरान मंदिर परिसर हर-हर महादेव के जयकारों से गूंज उठा। इस दौरान छात्रों का भव्य स्वागत किया गया। सीएम ने तमिलनाडु से आए सभी प्रतिभागियों का किया स्वागत- सीएम योगी ने कहा कि मां गंगा के पावन तट पर बाबा विश्वनाथ की नगरी में तमिलनाडु से आए सभी प्रतिभागियों का स्वागत करते हुए मुझे आनंद की अनुभूति हो रही है। काशी तमिल संगमम भारतीय संस्कृति की परंपरा का आज एक उत्सव बन गया है। जहां भाषाएं अलग-अलग हैं, लेकिन हम सबके भाव एक हैं। परंपराएं विविध हैं, पर संस्कृति एक है।

यही है प्रधानमंत्री मोदी का एक भारत, श्रेष्ठ भारत का लक्ष्य। 12 दिसंबर 2026 तक चलने वाले काशी तमिल संगमम में तमिल की कालजयी ज्ञान परंपरा और उसके जीवन मूल्यों से जुड़ने का अवसर हम सबको प्राप्त होगा। विश्वनाथ धाम में मंदिर प्रशासन ने छात्रों का गर्मजोशी से स्वागत किया। पुष्पवर्षा और डमरू वादन के बीच छात्रों का अभिनंदन हुआ। मंदिर प्रशासन ने सभी को स्मृति चिह्न भेंट किए। इसके साथ ही छात्रों को अंगवस्त्र भी प्रदान किए गए।काशी-तमिल संगमम के पांचवें संस्करण का आगाज नमो घाट पर हुआ। इसका उद्घाटन उपराष्ट्रपति सीपी राधाकृष्णन और मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने किया। 12 दिसंबर तक चलने वाले आयोजन में तमिलनाडु से सात समूहों में 1750 प्रतिनिधि आएंगे।नमो घाट पर तमिलनाडु से आए लोगों ने वहां के प्रसिद्ध लूंगी, साड़ी समेत अन्य सामग्रियों का स्टाल लगाया है। जबकि काशी के लोगों ने भी बनारसी साड़ी समेत अन्य सामग्रियों का स्टाल लगाया है। वहीं सांस्कृतिक कार्यक्रम शुरू हो गए हैं।काशी-तमिल संगमम के पांचवें संस्करण की थीम तिरुक्कुरल पयिलोम-तिरुक्कुरल अभ्यास करें%% रखी गई है। इसके माध्यम से तमिल साहित्य के महान कवि तिरुवल्लुवर की कालजयी रचना तिरुक्कुरल की शिक्षाओं को विशेष रूप से युवाओं और विद्यार्थियों तक पहुंचाया जाएगा।

संपादकीय Editorial

New Sky from Airport Land

The Honorable High Court's decision has elevated the Gaggal Airport expansion to the next level. The decision's dimensions reveal new concerns and concerns for Himachali development. The court has clearly directed the government to expedite all reports related to environmental impact and feasibility regarding the project. With Gaggal Airport, the government has put its will to the test. Navigating the complexities and tough decisions of land acquisition is not easy, and this is precisely why the Sukhu government has reached this position. The journey to this point has involved numerous courts, but amid the compassion, outrage, and pressure of the people's courts, the Gaggal Airport expansion file has strengthened, largely due to the government's broad compensation framework for the land acquisition process. While there is currently silence on further action under the aegis of the Airport Authority of India, all technical requirements for the project's success have been met. This will be the first such displacement in Himachal Pradesh, where every challenge has been answered with adequate compensation and amenities. Yet, the fading identity of this region needs a new name. A new Gagal needs to emerge in place of Gagal. Land deals, in the face of the potential for Gagal Airport expansion, are creating a different calculus and increasing mafia activity. From anonymous deals to the growing number of new construction projects, the ubiquitous distortions have become legal challenges. In such a scenario, the fundamental elements of the mountain environment must be preserved along with socio-economic progress. If the chariots of mass development become mired in cultural destruction, we will not be able to protect our values.

The illegal land purchase and sale practices that have emerged alongside the airport expansion must be examined rigorously. Clearly, such projects are an invitation to prosperity for centuries to come, and the large ships arriving at Gagal are also reaffirming this possibility. If projects other than the airport are implemented to promote Kangra as the "Tourism Capital," it would be icing on the cake. While the airport will attract high-end tourists, the tourism landscape and ground realities will also need to change. Obviously, this will only change through private investment. Therefore, along the lines of Aerocity, a Science City somewhere between Nadaun and Bhota, a Kalachakra Destination somewhere between Dharamshala and Jogindernagar, water sports and related entertainment facilities at the Pong Dam reservoir, a Film City within the heritage backdrop of Garli-Paragpur, a golf course, a convention center in Dharamshala, and various amusement and tourist parks along major roads will need to be developed. The Vankhandi Zoo will undoubtedly be a major attraction in the future, but we must also give religious tourism a new direction. Developing major temples as art centers will provide a better opportunity for folk arts and folk artists to showcase their talents. The potential for trout fishing in the Dharkandi area of ??Shahpur will expand the tourist destination, while the tea gardens of Palampur will promote tea tourism along the lines of Assam. The Himachal government, in collaboration with the Tourism Department, the Chamber of Commerce, and various tourism associations, can change the market's direction and philosophy.

PM Modi's message, saying, "This is our guide; mentions everything from the Emergency to Article 370."

I would urge the youth to study the 38th and 39th Amendments to understand the depths to which a power-hungry and anti-constitutional government can stoop. Article 356 has been repeatedly misused to dismiss elected state governments. One political party holds a record for invoking Article 356 nearly a hundred times. On this day (November 26) in 1949, the Constituent Assembly adopted our Constitution. Today, we remember Dr. Rajendra Prasad, Dr. Babasaheb Ambedkar, and all the members of the Constituent Assembly. They incorporated India's rich traditions and the experiences of our civilization into the creation of a modern Constitution. In a diverse country like India, with its many religions, languages, customs, and schools of thought, it is crucial that the Constitution's resonance reaches far beyond the confines of Parliament and the courts. Our effort has been to deepen the Constitution's connection with the consciousness of every citizen, especially the youth. With this thought in mind, a decade ago, our government decided to celebrate Constitution Day on November 26th. Our Constitution is an integral part of the life journey of millions of Indians, including me. That a child born into a humble family, who inherited no privileges, can one day assume the responsibility of serving the world's largest democracy is a testament to the extraordinary power of our Constitution. A recent World Bank report shows that nearly 500 million people in India have risen out of extreme poverty. When the Pradhan Mantri Awas Yojana provides a family with the opportunity to move into a permanent home, the constitutional pledge of a dignified life is truly realized. When the Ujjwala Yojana frees a mother from a smoke-filled kitchen, we advance the ideals of equality and public welfare. When Ayushman Bharat provides quality treatment to a poor family without the worry of debt, the pledge of social justice is realized. When small entrepreneurs and street vendors receive unsecured loans under the Mudra Scheme and PM Svanidhi, the spirit of economic justice is realized. When every citizen has access to digital technology, RuPay cards, and platforms like UPI, the ideal of inclusiveness is realized. The constitutional amendments made by our government can also be viewed from this perspective. The 101st Constitutional Amendment paved the way for a long-awaited reform like GST. The 102nd Constitutional Amendment granted constitutional status to the National Commission for Backward Classes, fulfilling a long-standing dream of the underprivileged. The 103rd Constitutional Amendment established 10 percent reservation for economically weaker sections, benefiting communities long excluded from the reservation system. Today, our Constitution is available in all 22 languages ??listed in the Eighth Schedule, bringing it closer to the people. By abolishing the Penal Code, enacted during the 1860s (the era of slavery), we have attempted to fundamentally reform our criminal justice system through the Indian Judicial Code. Over the past decade, we have witnessed a sense of civic duty in numerous mass movements, from Swachh Bharat to water conservation and environmental protection. However, there have also been occasions when those responsible for protecting the Constitution have chosen to weaken it. This year marks 75 years since the first Constitutional Amendment in 1951. At that time, the country was governed by a government that was not elected by the people. That government, using its majority in the interim Parliament, took away fundamental freedoms from citizens. Clearly, its purpose was to influence the electoral process and suppress public dissent. Similarly, the 42nd Constitutional Amendment, enacted during the Emergency, limited the power of judicial review and fundamentally altered the balance of power between institutions. I urge young people to study the 38th and 39th Amendments to understand the depths to which a power-hungry and anti-constitutional government can stoop. Article 356 has been repeatedly misused to dismiss elected state governments. One political party has a record of invoking Article 356 nearly a hundred times. The framers of the Constitution expected the Constitution to be implemented throughout India in its original form and spirit. However, for more than 70 years, Articles 370 and 35A prevented the full implementation of our Constitution in Jammu and Kashmir. The rights of SC, ST, OBC communities, and women continued to be violated there. This historical injustice ended only in 2019. For decades, Naxalites, at gunpoint in many parts of the country, especially tribal areas, denied the poorest of the poor the rights guaranteed by the Constitution. I am particularly satisfied with the end of Naxalism this year. Now, only the mindless Naxalites remain, far removed from the realities of today's times and constantly engaged in derailing the country's development journey. The largest opposition party wants to reduce OBC reservations and give them to Muslims. Dr. Babasaheb Ambedkar was completely against this. The journey of our Constitution is incomplete without remembering the extraordinary women who played a crucial role in shaping it. But what happened earlier this year has shamed us all. Women's power should be empowered in legislative institutions. A major opposition party blocked the passage of a bill aimed at ensuring adequate representation in the Constitution. I assure the women of this country that no force in the world can stop our resolve to secure justice for them. The role of the opposition is clearly defined in a constitutional democracy. Unfortunately, the largest opposition party is becoming an obstructionist party today. It should understand that obstructing democratic processes can never be an alternative to fulfilling constitutional responsibilities. Today, India stands at a crucial juncture. Two simple yet powerful mantras can guide our collective efforts to build a developed India by 2047: "Nation First" in our thinking and "Sense of Duty" in every action. By guiding these two mantras and drawing strength from the Constitution, we can ensure a bright future for future generations.

Machines are not the enemy; know when problems arise.

Machines are not the enemy in themselves. Problems arise when we begin to weigh every object, every living thing, and even our own existence on the scale of utility. I often think that humans created technology to fulfill their own needs, but gradually it began to determine what human needs should be. Today, we not only use technology but also see and understand the world through it. It feels as if we have invisible glasses over our eyes, without which we perceive the world as incomplete. When I look at technology, I don't see its greatest transformation in the speed of machines, their power, or their amazing efficiency. I see its true impact in how it has altered the relationship between humans and nature.

The river, which humans once considered the source of life, beauty, and mystery, has now become a mere power generating unit. The forest, once home to countless creatures, is now seen as a repository of timber and economic resources.

Even humans have come to measure their usefulness in terms of productivity and efficiency. I believe that machines are not inherently enemies. The problem arises when we begin to weigh every object, every living thing, and even our own existence, on the scale of utility. Then the world no longer appears before us with its mysteries, its beauty, and its independent existence; it becomes a repository from which we extract things according to our needs. The real question of technology is not how powerful machines will become, but how much humans will be able to preserve their sensitivity, independent thinking, and awe of existence while living among them.

मुरादाबाद में भीषण हादसा: रोडवेज बस और ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर, मां-बेटे समेत चार की मौत, 11 से अधिक जख्मी





मुरादाबाद के छजलैट क्षेत्र में शनिवार सुबह रोडवेज बस और ट्रैक्टर-ट्रॉला की भीषण टक्कर हो गई। इस हादसे में मां-बेटे, शिक्षिका और पुजारी समेत चार लोगों की मौत हो गई, जबकि पांच घायल हुए।मुरादाबाद-बिजनौर मार्ग पर रोडवेज बस-ट्रैक्टर-ट्रॉला की भीषण टक्कर। हादसे में मां-बेटे, शिक्षिका, पुजारी सहित चार की मौत। छजलैट क्षेत्र में सुबह साढ़े सात बजे हुआ यह हादसा।छजलैट क्षेत्र में शनिवार की सुबह करीब साढ़े सात बजे मुरादाबाद-बिजनौर मार्ग पर लदावली गांव के पास भीषण हादसा हो गया। रोडवेज की बस और गन्ने की खाली ट्रैक्टर-ट्रॉला की आमने-सामने की टक्कर हो गई।

इस हादसे में बस सवार महिला अर्चना इनके बेटे अर्पण उर्फ सुशांत (6), शिक्षिका दीपिका और पुजारी लोकेश कुमार जोशी की मौत हो गई। इस हादसे में अहमदाबाद की निजी कंपनी में मैनेजर जानसन मसीह समेत पांच यात्री घायल हो गए। सूचना पर पहुंची पुलिस ने घायलों को निजी और जिला अस्पताल भिजवाया।

एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने बताया कि शनिवार सुबह करीब 7:30 बजे मुरादाबाद डिपो की रोडवेज बस बिजनौर से मुरादाबाद आ रही थी। इसी दौरान दीवान शुगर मिल से एक ट्रैक्टर-ट्रॉली गन्ना डालने के बाद बाहर निकलकर मुरादाबाद-बिजनौर मार्ग पर चढ़ी थी। छजलैट क्षेत्र में लड़ावली स्थित इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के पास सामने से दोनों वाहनों की टक्कर हो गई।

दोनों वाहन कर रहे थे ओवरटेक, आमने-सामने से हुई टक्कर-ट्रैक्टर-ट्रॉला से बस की ड्राइवर साइड टकराने से उसमें सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। हादसे में कई यात्री गंभीर रूप से घायल हो गए। इस हादसे में छजलैट के सदुपुरा गांव निवासी अर्चना पत्नी जानसन मसीह और उनके छह वर्षीय बेटे अर्पण उर्फ सुशांत, बिजनौर के चांदपुर क्षेत्र के जाफरपुर कोट निवासी शिक्षिका दीपिका और बिजनौर के शिवाला कला क्षेत्र के लोकेश कुमार जोशी की मौत हो गई।

जबकि अन्य यात्री घायल हो गए। हादसे की जानकारी मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और घायलों को निजी और जिला अस्पताल भिजवा दिया।रोडवेज बस में एक साइड में बैठे चार लोगों की चली गई जान-हादसे की जानकारी मिलने पर मृतकों और घायलों के स्वजन भी आ गए।

हादसे में जान गंवाने वाली अर्चना अपने पति जानसन मसीह के साथ गुजरात के अहमदाबाद जा रही थी। जानसन अहमदाबाद में निजी कंपनी के मेडिकल प्लांट में मैनेजर हैं। इस हादसे में जानसन मसीह भी घायल हुए हैं।दीपिका रामपुर के हाजीनगर गांव स्थित प्राथमिक विद्यालय में तैनात थीं और दो दिन के अवकाश के बाद ड्यूटी जा रही थीं।

लोकेश कुमार जोशी पूजा-पाठ का काम करते थे और हादसे के समय मुरादाबाद पूजा-पाठ करने जा रहे थे। छजलैट में मुरादाबाद-हरिद्वार हाईवे पर रोडवेज बस और गन्ने की खाली ट्रैक्टर-ट्रॉली की भिड़ंत में मां-बेटे समेत चार लोगों की मौत हो गई। हादसे में महिला का पति गंभीर रूप से घायल हुआ है। बस में सवार 11 से अधिक यात्रियों को भी चोटें आईं।छजलैट थाना क्षेत्र में शनिवार सुबह मुरादाबाद-हरिद्वार स्टेट हाईवे पर ग्राम लदावली स्थित इंडियन ऑयल पेट्रोल पंप के पास रोडवेज बस और गन्ने की खाली ट्रैक्टर-ट्रॉली की आमने-सामने की भिड़ंत हो गई। हादसे में दो महिलाओं और एक बच्चे समेत चार लोगों की मौत हो गई, जबकि महिला का पति गंभीर रूप से घायल हो गया।बस में सवार 11 अन्य यात्रियों को भी चोटें आईं। हादसे के बाद मौके पर चीख-पुकार मच गई। जानकारी के अनुसार, शनिवार सुबह उत्तर प्रदेश परिवहन निगम के मुरादाबाद डिपो की बस संख्या UP 78 LN 7524 छजलैट की ओर से मुरादाबाद आ रही थी। ग्राम लदावली के पास सामने से गन्ने की खाली ट्रैक्टर-ट्रॉली आ रही थी। इसी दौरान दोनों वाहनों की आमने-सामने की टक्कर हो गई।ट्रैक्टर-ट्रॉली से बस की चालक साइड टकराने के कारण बस में सवार यात्रियों में चीख-पुकार मच गई। कई यात्री घायल हो गए। हादसे में छजलैट के ग्राम सदूपुरा निवासी जॉनसन मसीह की पत्नी अर्चना (30) और उनके पांच वर्षीय बेटे सुशांत की मौके पर ही मौत हो गई। इनके अलावा लोकेंद्र (50) पुत्र जुगल किशोर निवासी ग्राम रतनगढ़, थाना शिवाला कलां, बिजनौर और दीपा उर्फ दीपिका चौहान (30) पत्नी प्रखत चौहान निवासी ग्राम कोट, थाना नूरपुर, बिजनौर ने भी दम तोड़ दिया।अर्चना के पति जॉनसन मसीह (35) गंभीर रूप से घायल हो गए। सूचना पर पहुंची छजलैट पुलिस ने राहत एवं बचाव कार्य शुरू कराया। मृतकों के शव और गंभीर घायल जॉनसन को जिला अस्पताल भिजवाया गया।

बस में घायल कुछ अन्य यात्री अपने स्तर से उपचार के लिए चले गए।दुर्घटनाग्रस्त वाहनों को सड़क से हटवाकर यातायात सुचारु कराया गया। हादसे की सूचना पर उपजिलाधिकारी मयंक कुंडू और सीओ कांठ अभिनव द्विवेदी भी मौके पर पहुंचे और घटनास्थल का जायजा लिया। एसपी देहात कुंवर आकाश सिंह ने चार लोगों की मौत की पुष्टि की है। पुलिस अन्य घायलों की जानकारी जुटा रही है।



◆ मुरादाबाद में रोडवेज की ट्रैक्टर-ट्रॉला से भिड़ंत: मां बेटे, शिक्षिका समेत चार की मौत

मुरादाबाद भाजपा महिला मोर्चा की 43 सदस्यीय टीम घोषित, सिंपल चौहान ने बनाई अपनी टीम



भाजपा महिला मोर्चा मुरादाबाद की 43 सदस्यीय जिला कार्यकारिणी की घोषणा कर दी गई है। जिलाध्यक्ष सिंपल चौहान ने यह टीम बनाई है, जो आगामी विधानसभा चुनावों में महिला मतदाताओं को जोड़ने पर ध्यान केंद्रित करेगी।भाजपा महिला मोर्चा मुरादाबाद की 43 सदस्यीय कार्यकारिणी घोषित। जिलाध्यक्ष सिंपल चौहान ने अपनी नई टीम बनाई। आगामी विधानसभा चुनावों में महिला मतदाताओं को जोड़ेगी यह टीम।भाजपा महिला मोर्चा की जिला कार्यकारिणी के गठन को लेकर चल रही खींचतान और इंतजार आखिरकार खत्म हो गया। जिलाध्यक्ष सिंपल चौहान ने 43 सदस्यीय जिला कार्यकारिणी घोषित कर दी है। प्रदेश अध्यक्ष सरोज कुशवाहा की संस्तुति, क्षेत्रीय अध्यक्ष अपर्णा सिंह और भाजपा जिलाध्यक्ष आकाश कुमार पाल की स्वीकृति के बाद सूची जारी की गई है।लंबे समय से नामों पर सहमति नहीं बनने के कारण अटकी कार्यकारिणी में आखिरकार संगठन ने पदाधिकारियों के नामों पर मुहर लगा दी।लंबे इंतजार के बाद जिलाध्यक्ष सिंपल चौहान ने बनाई अपनी टीम

घोषित कार्यकारिणी में आठ जिला उपाध्यक्ष, तीन महामंत्री और आठ जिला मंत्री बनाए गए हैं। इसके अलावा एक कोषाध्यक्ष, तीन सह कोषाध्यक्ष, एक मीडिया संयोजक और दो सह संयोजक नियुक्त किए गए हैं। सोशल मीडिया और आइटी की जिम्मेदारी भी अलग-अलग पदाधिकारियों को सौंपी गई है। शेष सदस्य के रूप में शामिल किए गए हैं।आठ उपाध्यक्ष, तीन महामंत्री और आठ मंत्री बनाए- जिला उपाध्यक्ष के पद पर राजबाला सैनी, पूजा यादव, नीलम सैनी, संतोष जाटव, गीता चौधरी, शशिबाला चौहान, सुमन सिंह और प्रीति जाटव को जिम्मेदारी मिली है। वहीं, जिला महामंत्री के रूप में हिमानी भट्टाचार्य, ममता खेटवाल और शिखा त्रिपाठी को शामिल किया गया है। अर्पिता गुप्ता को जिला कोषाध्यक्ष बनाया गया है। कार्यकारिणी गठन को लेकर पहले से ही संगठन में कई नामों को लेकर चर्चाएं थीं।संगठन में जगह पाने की दौड़ में कई नाम पीछे छूटे- जिलाध्यक्ष पद के चयन के समय पैनल में शामिल रहीं लवी सक्सेना को लेकर भी कार्यकारिणी में सम्मानजनक स्थान मिलने की चर्चा थी, लेकिन घोषित सूची में उनका नाम नहीं है। इससे संगठन के भीतर चल रहे सियासी समीकरणों और दावेदारों की पैरवी के बीच अंतिम निर्णय में जिलाध्यक्ष की पसंद को अहम माना जा रहा है।भाजपा जिलाध्यक्ष आकाश कुमार पाल और जिला प्रभारी डॉ. विकास अग्रवाल के हस्ताक्षर वाली सूची जारी होने के साथ ही महिला मोर्चा को अब संगठनात्मक गतिविधियों में तेजी लाने की जिम्मेदारी होगी। खासकर आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों और बूथ स्तर पर महिला मतदाताओं को जोड़ने में नई टीम की भूमिका महत्वपूर्ण होगी।

संक्षिप्त समाचार

मुरादाबाद में किशोरी से दुष्कर्म, दोषी को आजीवन कारावास की सजा

मुरादाबाद कोर्ट ने अनुसूचित जाति की किशोरी का अपहरण और दुष्कर्म करने वाले सुनील शर्मा को आजीवन कारावास और दो लाख रुपये जुर्माने की सजा सुनाई है। यह फैसला पाक्सो कोर्ट-एक की विशेष न्यायाधीश रेशमा चौधरी की अदालत ने साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर सुनाया।सुनील शर्मा को आजीवन कारावास की सजा मिली।

किशोरी के अपहरण और दुष्कर्म मामले में दोषी करार। कोर्ट ने दो लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया।अनुसूचित जाति की किशोरी का अपहरण कर दुष्कर्म करने वाले आरोपित सुनील शर्मा को कोर्ट ने आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। साथ ही दोषी पर दो लाख रुपये का जुर्माना लगाया है। इस मामले की सुनवाई पाक्सो कोर्ट-एक की विशेष न्यायाधीश रेशमा चौधरी की अदालत में चली।

मझोला थाना क्षेत्र निवासी 16 वर्षीय किशोरी के पिता ने 14 मई 2019 को थाने में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। उन्होंने अमरोहा के डिडौली निवासी सुनील शर्मा पर बेटी को अगवा कर ले जाने का आरोप लगाया था।

मामले में पुलिस ने किशोरी की तलाश कर उसे बरामद किया था। इसके बाद उसका मेडिकल परीक्षण कराया गया और न्यायालय में बयान दर्ज कराए गए।

कोर्ट ने दोषी पर लगाया दो लाख रुपये का जुर्माना- पुलिस ने किशोरी के बयानों और मेडिकल रिपोर्ट के आधार पर विवेचना के दौरान मुकदमे में पाक्सो एक्ट, दुष्कर्म और एससी-एसटी एक्ट की धाराएं बढ़ा दी थीं। इसके बाद पुलिस ने आरोपित सुनील शर्मा को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया था, जहां से उसे जेल भेज दिया गया था।मामले की सुनवाई पाक्सो कोर्ट-एक की विशेष न्यायाधीश रेशमा चौधरी की अदालत में हुई। अभियोजन पक्ष की ओर से प्रस्तुत साक्ष्यों और गवाहों के आधार पर अदालत ने दोनों पक्षों की दलीलें सुनने के बाद सुनील शर्मा को दोषी करार दिया। शुक्रवार को अदालत ने उसे आजीवन कारावास की सजा सुनाने के साथ ही दो लाख रुपये का जुर्माना भी लगाया।

दो राज्यों की पुलिस भी मिलकर नहीं सुलझा पाई ये ब्लाइंड मर्डर, 14 माह से इंसाफ को तरस रहा परिवार; अब स्नक्रलगाने की तैयारी

मुरादाबाद के ठाकुरद्वारा में फूलवती हत्याकांड के आरोपित 14 माह बाद भी नहीं पकड़े गए, जिससे परिवार इंसाफ के लिए तरस रहा है। पुलिस अब इस ब्लाइंड मर्डर केस में एफआर लगाने की तैयारी में है, जबकि क्राइम ब्रांच भी आरोपितों का सुराग नहीं लगा पाई। 23 सितंबर वर्ष 2025 को ठाकुरद्वारा में की गई थी फूलवती की हत्याजिले में कई अन्य मामलों की तरह ठाकुरद्वारा के एक परिवार बीते 14 माह से इंसाफ का इंतजार कर रहा है। रेडीमेड गारमेंट्स संचालक की मां फूलवती हत्याकांड के आरोपितों को थाना पुलिस से लेकर क्राइम ब्रांच आज तक नहीं पकड़ पाई है। करीब पांच माह से इस मामले की जांच कर रही क्राइम ब्रांच की टीम भी आरोपितों को पकड़ना तो दूर क्लू तक भी नहीं तलाश पाई है। ऐसे में पुलिस ने अब आरोपितों की तलाश के प्रयास भी बंद कर दिए है। परिवार आज भी पुलिस से उम्मीद लगाए बैठा है कि आरोपित गिरफ्तार होंगे, लेकिन उनकी उम्मीदों पर खरा उतरती हुई नजर नहीं आ रही है।अब पुलिस ने इस मामले में एफआर लगाने की तैयारी कर ली है। महिला की लूट के बाद 23 सितंबर वर्ष 2025 को हत्या की थी। ठाकुरद्वारा क्षेत्र के गांव कालेवाला माधोवाला निवासी फूलवती 23 सितंबर वर्ष 2025 को बेटे मनोज कुमार के पास ठाकुरद्वारा आ रही थी।वह रास्ते से गायब हो गई थी। पांच दिन बाद उनका शव सड़ी गली हालत में गांव कमालपुरी खालसा की नहर के पास मिला था। पुलिस ने अज्ञात बदमाशों के खिलाफ हत्या की धाराओं में प्राथमिकी दर्ज की थी। एसएसपी ने आरोपितों की गिरफ्तारी के लिए एसओजी, कोतवाली पुलिस समेत कई टीमों को लगाया था। पुलिस ने 100 से अधिक मोबाइल नंबरों की सीडीआर निकलवाई। इसके अलावा 30 से अधिक लोगों को हिरासत में लेकर पूछताछ की, लेकिन इसके बाद पुलिस आरोपितों तक नहीं पहुंच पाई। उधर पीड़ित परिवार लगातार आरोपितों को गिरफ्तार करने की मांग करता रहे। जुलाई माह में एसएसपी ने पूरे मामले की जांच क्राइम ब्रांच को सौंप दी। क्राइम ब्रांच ने भी कुछ दिनों तक प्रयास किया, लेकिन सफलता नहीं मिली तो अब क्राइम ब्रांच टीम ने भी इस मामले को ठंडे बस्ते में डाल दिया। अब पुलिस की जांच को देखकर ऐसा लगता है कि अन्य कई मामलों की तरह यह हत्याकांड भी फाइलों में ही कैद होकर रह जाएगा। पीड़ित परिवार को यह पता नहीं चलेगा कि हत्यारोपित कौन है।

क्यूँ न लिखूँ सच

स्वामी, मुद्रक, प्रकाशक नरेश राज शर्मा द्वारा ए0एच0प्रिंटर्स, ए-11, असालतपुरा, लंगड़े की पुलिया, मुरादाबाद-244001(उत्तर प्रदेश) से छपवाकर कार्यालय म.नं. 210 खा सीतापुरी, डबलफाटक जनपद-मुरादाबाद (उत्तर प्रदेश) से प्रकाशित एवं वितरित किया।

संपादक - नरेश राज शर्मा

मो. 9027776991

RNI NO- UPBIL/2021/83001

इस अंक में प्रकाशित समस्त समाचारों के चयन एवं सम्पादक हेतु पीआरबी एक्ट के अन्तर्गत उत्तरदायी होंगे तथा समस्त विवाद मुरादाबाद न्यायालय के अधीन होंगे।

क्यूँ न लिखूँ सच समाचार पत्र में सभी पद अवैतनिक है

BEO-HM बैठक का आयोजन, FLN एवं निपुण भारत मिशन के प्रभावी क्रियान्वयन पर हुई चर्चा

@ क्यूँ न लिखूँ सच







भोजीपुरा (शेर सिंह) खण्ड शिक्षा अधिकारी श्री राम सर की अध्यक्षता में BEO-HM बैठक का आयोजन किया गया। बैठक की शुरुआत पिछली बैठक में लिए गए निर्णयों एवं कार्यों की प्रगति की समीक्षा के साथ हुई।

बैठक में खण्ड शिक्षा अधिकारी सर द्वारा विद्यालयों में स्वस्थ गतिविधियों को प्रभावी बनाने पर विशेष जोर दिया गया। उन्होंने शिक्षक संदर्शिका, शिक्षक डायरी, कार्यपुस्तिका, TLM एवं ओपन एंडेड प्रश्नों के नियमित उपयोग तथा निपुण आकलन के आधार पर बच्चों के सीखने के स्तर को बेहतर बनाने पर चर्चा की। साथ ही कक्षा 1 एवं 2 के बच्चों को नियमित अभ्यास के अवसर उपलब्ध कराने हेतु सभी शिक्षकों को निर्देशित किया।

उदाहरणों एवं गतिविधियों के माध्यम से समझाया गया, जिससे शिक्षकों को FLN आधारित शिक्षण प्रक्रिया को और प्रभावी बनाने में सहयोग मिला। बैठक के दौरान सभी शिक्षकों को 10-पॉइंट टूलकिट, कैचअप पोस्टर एवं पठन संस्कृति पोस्टर भी वितरित किए गए, ताकि वे विद्यालय स्तर पर इनका नियमित एवं प्रभावी उपयोग सुनिश्चित कर सकें। ज्वाइंट विजिट एवं सपोर्टिव सुपरविजन-बैठक के अतिरिक्त ARP गुरुजोत सर के साथ प्राथमिक विद्यालय मिलक इमामगंज का संयुक्त विद्यालय भ्रमण एवं सपोर्टिव सुपरविजन किया गया। इस दौरान कक्षा-कक्ष की शिक्षण प्रक्रिया एवं FLN गतिविधियों का अवलोकन कर शिक्षक के साथ शैक्षणिक चर्चा की गई। शिक्षण प्रक्रिया को और प्रभावी बनाने के लिए सकारात्मक एवं सुधारात्मक सुझाव साझा किए गए तथा बच्चों के सीखने के स्तर में सुधार हेतु आवश्यक शैक्षणिक सहयोग प्रदान किया गया। बैठक का मुख्य उद्देश्य विद्यालयों में FLN आधारित शिक्षण प्रक्रिया को सुदृढ़ करना तथा निपुण भारत मिशन के लक्ष्यों की प्राप्ति के लिए शिक्षकों को प्रभावी शैक्षणिक सहयोग प्रदान करना रहा।

डिलारी के गक्कखरपुर में कपड़े के गोदाम में लगी भीषण आग, लाखों का माल जलकर राख; पांच बाइक भी जलीं

@ क्यूँ न लिखूँ सच

♦ चार दमकल गाड़ियों ने कई घंटे की मशक्कत के बाद पाया आग पर काबू, कोई जनहानि नहीं









डिलारी / मुरादाबाद। थाना डिलारी क्षेत्र के गांव गक्कखरपुर में शनिवार दोपहर एक कपड़े के गोदाम में अज्ञात कारणों से भीषण आग लग गई। आग ने देखते ही देखते विकराल रूप धारण कर लिया और पूरे गोदाम को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे में गोदाम में रखा लाखों रुपये का कपड़ा जलकर राख हो गया, जबकि अंदर खड़ी पांच मोटरसाइकिलें भी आग की भेंट चढ़ गईं। गनीमत रही कि इस घटना में कोई जनहानि नहीं हुई। जानकारी के अनुसार, थाना डिलारी क्षेत्र के गांव गक्कखरपुर निवासी अकरम पुत्र शौकत अली का कपड़े का गोदाम है। शनिवार दोपहर करीब एक बजे अचानक गोदाम से धुआं उठता दिखाई दिया। देखते ही देखते आग की लपटें तेज हो गईं। धुआं और आग देखकर आसपास के लोगों में अफरा-तफरी मच गई। ग्रामीणों ने तत्काल आग बुझाने का प्रयास शुरू किया और थाना डिलारी पुलिस तथा अग्निशमन विभाग को सूचना दी।

सूचना मिलते ही डिलारी पुलिस मौके पर पहुंच गई और ग्रामीणों के साथ मिलकर आग बुझाने का प्रयास किया। वहीं, आग की गंभीरता को देखते हुए दमकल विभाग की चार से पांच गाड़ियां मौके पर पहुंचीं। दमकल कर्मियों ने कई घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पाया।

हालांकि, तब तक गोदाम में रखा पूरा कपड़ा जलकर राख हो चुका था और वहां खड़ी पांच मोटरसाइकिलें भी पूरी तरह आग की चपेट में आ गईं।

गोदाम स्वामी अकरम ने बताया कि वह आसपास के क्षेत्रों से और हरयाणा और पंजाब से पुराने व नये कपड़े की फेरी कर के लाते है । लोगों के घरों से पुराने कपड़े खरीदकर गोदाम में एकत्र करते हैं और बाद में उन्हें थोड़ा-थोड़ा करके बेचते हैं। अकरम वर्तमान में काशीपुर में रहकर कपड़ों का कारोबार करते हैं। शनिवार दोपहर पड़ोसियों ने फोन कर उन्हें गोदाम में भीषण आग लगने की सूचना दी। यह खबर सुनकर उनके होश उड़ गए। गोदाम स्वामी ने आग की घटना में करोड़ों रुपये के नुकसान की आशंका जताई है।

बताया जा रहा है कि गोदाम रिहायशी इलाके में स्थित है। ऐसे में आग यदि आसपास के मकानों तक पहुंच जाती तो बड़ा हादसा हो सकता था। आग की लपटों और धुएं से आसपास रहने वाले लोगों में दहशत का माहौल बना रहा। दमकल विभाग की तत्परता से आग पर समय रहते काबू पा लिया गया और एक बड़ा हादसा टल गया। फिलहाल आग लगने के कारणों का पता नहीं चल सका है। घटना में किसी प्रकार की जनहानि नहीं हुई, लेकिन गोदाम स्वामी को भारी आर्थिक नुकसान हुआ है।

मुख्य अग्निशमन अधिकारी डा0 राजीव कुमार पाण्डे ने जानकारी देते हुए बताया की आग पर काबू कर लिया गया है और कोई जान हानि नहीं हुई है।

प्रिय सुधि पाठको आप अपना यहाँ शुभकामना सन्देश (Birthday, anniversary, any kind of message) कम कीमत में विज्ञापन छपवाए - 9027776991

संक्षिप्त समाचार

मतदाता सूची में न छूटे कोई पात्र युवा और कामगार : डीएम

बरेली। (पं सत्यम शर्मा)बरेली। आगामी विधानसभा सामान्य निर्वाचन-2027 के तहत चल रहे विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण अभियान में शनिवार को जिलाधिकारी अविनाश सिंह ने विभिन्न मतदान केंद्रों का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने अधिकारियों और बूथ लेवल



अधिकारियों (बीएलओ) को निर्देश दिए कि 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके सभी युवाओं व पात्र कामगारों का नाम हर हाल में मतदाता सूची में शामिल किया जाए।

निरीक्षण के दौरान डीएम ने विकासखंड भोजीपुरा के प्राथमिक विद्यालय पिपरिया, घंघोरा पिपरिया, घंघोरा घंघोरी, भारत इंटर कॉलेज और पीपलसाना चौधरी स्थित बूथों की व्यवस्थाएं परखीं। उन्होंने बीएलओ के सर्वे रजिस्टर जांचे और प्राप्त दावों-आपत्तियों के समयबद्ध निस्तारण के निर्देश दिए। इस दौरान डीएम ने स्वयं ग्रामीणों के घर जाकर वोट बनने की स्थिति जानी और कामगारों से व्यक्तिगत संपर्क कर फॉर्म-6 भरवाने को कहा।

जिलाधिकारी ने स्पष्ट किया कि स्वतंत्र व निष्पक्ष चुनाव के लिए त्रुटिरहित मतदाता सूची अनिवार्य है। उन्होंने मृतक, स्थानांतरित व अपात्र मतदाताओं के नाम नियमानुसार हटाने और कार्य में लापरवाही न बरतने की चेतावनी दी। साथ ही आमजन से अपील की कि वे अभियान का लाभ उठाकर परिवार सहित सूची में अपने नाम की जांच अवश्य करें।

शहर के 36 केंद्रों पर दो पालियों में होगा पीसीएस इम्तिहान, मजिस्ट्रेट सहित पुलिस बल रहेगा अलर्ट

बरेली। (पं सत्यम शर्मा) बरेली। उत्तर प्रदेश लोक सेवा आयोग की सम्मिलित राज्य/प्रवर अधीनस्थ सेवा (प्रारंभिक) परीक्षा-2026 का आयोजन 06 दिसंबर को जिले के 36 केंद्रों पर किया जाएगा। परीक्षा दो पालियों-सुबह 9:30 से 11:30 बजे और दोपहर 2:30 से 4:30 बजे तक होगी। अपर जिलाधिकारी नगर अविनाश त्रिपाठी ने बताया कि परीक्षा को सकुशल संपन्न कराने के लिए प्रशासन ने पुख्ता इंतजाम किए हैं। आयोग की निर्देश पुस्तिका के मुताबिक, यदि परीक्षा के दिन कहीं कानून-व्यवस्था की समस्या उत्पन्न होती है या कर्फ्यू जैसे हालात बनते हैं, तो अभ्यर्थियों के प्रवेश पत्र (एडमिट कार्ड) को ही कर्फ्यू पास माना जाएगा। परीक्षार्थियों को केंद्र तक पहुंचने में कोई परेशानी न हो, इसके लिए ड्यूटी पर तैनात सभी मजिस्ट्रेट और पुलिस अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

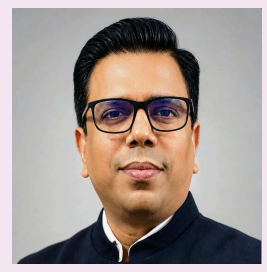

शिक्षणेत्तर कर्मचारियों के आंदोलन की जीत , तीन दफ्तरी पदों पर प्रमोशन मंजूर

बरेली। (पं सत्यम शर्मा) बरेली। महीनों से पदोन्नति और मानदेय भुगतान के लिए अधिकारियों के चक्कर लगा रहे शिक्षणेत्तर



कर्मचारियों के सत्याग्रह का असर आखिरकार दिखाई दिया डीआईओएस कार्यालय पर चल रहे अनिश्चितकालीन धरने के बीच डीआईओएस डॉ. अजीत कुमार ने तीन दफ्तरी पदों पर पदोन्नति का अनुमोदन जारी कर दिया। शेष मांगों पर जल्द कार्रवाई का लिखित आश्वासन मिलने के बाद महासंघ ने आंदोलन स्थगित कर दिया। प्रदेश कार्यकारी अध्यक्ष आलोक चौहान संघर्षी ने कहा कि लंबे समय से लंबित दफ्तरी पदों पर पदोन्नति का अनुमोदन जारी होना संगठन के संघर्ष की जीत है। हालांकि, आउटसोर्सिंग कर्मचारियों के मानदेय भुगतान का मामला अब भी लंबित है। उन्होंने चेतावनी दी कि यदि पांच दिन के भीतर भुगतान नहीं किया गया तो संगठन फिर आंदोलन करने को मजबूर होगा।

सेंजनी में नहर की सफाई के नाम पर खानापूर्ति का आरोप, अतिक्रमण से ग्रामीण परेशान

@ क्यूँ न लिखूँ सच

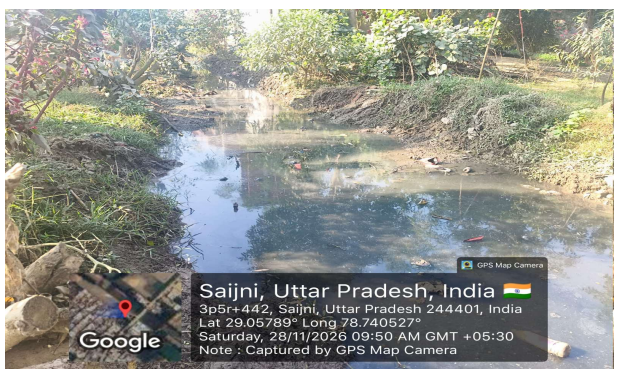

मुरादाबाद। थाना डिलारी क्षेत्र के गांव सेंजनी में डिंगरपुर अल्पिका नहर की सफाई व्यवस्था को लेकर ग्रामीणों ने नाराजगी जताई है। ग्रामीणों का आरोप है

कि सिंचाई विभाग की ओर से नहर की सफाई के नाम पर केवल खानापूर्ति की जा रही है। इसके साथ ही नहर पर जगह-जगह अतिक्रमण होने से ग्रामीणों को परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है।

ग्रामीणों के अनुसार, नहर में सफाई का कार्य सही तरीके से नहीं कराया गया है। कई स्थानों पर सफाई अधूरी दिखाई दे रही है, जिससे नहर की व्यवस्था प्रभावित हो रही है। वहीं, नहर के किनारों पर अतिक्रमण होने के कारण भी ग्रामीणों को दिक्कतें उठानी पड़ रही हैं। ग्रामीणों ने संबंधित विभाग से नहर की सफाई का कार्य ठीक से कराने और अतिक्रमण हटवाने की मांग की है।

इस संबंध में अधिकारियों से बात की गई तो उन्होंने नहर की सफाई के कार्य की जांच कराने और अतिक्रमण की स्थिति का भी निरीक्षण करने की बात कही। अब देखना होगा कि विभागीय अधिकारी ग्रामीणों की शिकायतों को कितनी गंभीरता से लेते हैं और नहर की सफाई व अतिक्रमण की समस्या का समाधान कब तक कराया जाता है।

प्रयागराज सम्मेलन में आईएमए बरेली को प्रदेश स्तर पर मिला 'बेस्ट ब्रांच' का खिताब

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली। (पं सत्यम शर्मा) इंडियन मेडिकल एसोसिएशन (आईएमए) यूपी स्टेट के वार्षिक सम्मेलन 2026 में आईएमए बरेली शाखा ने शानदार प्रदर्शन करते हुए कुल पांच प्रतिष्ठित पुरस्कार अपने नाम किए हैं।

प्रयागराज में आयोजित समारोह में वर्ष 2025-26 के उत्कृष्ट कार्यों के लिए बरेली को यह सम्मान मिला।

सम्मेलन में शाखा अध्यक्ष डॉ. अतुल श्रीवास्तव को बेस्ट लोकल ब्रांच प्रेसिडेंट (डॉ. वी. के. कपूर अवॉर्ड) और सचिव डॉ. अंशुल अग्रवाल को सेकंड बेस्ट लोकल ब्रांच सेक्रेटरी (रूप किशोर एवं चंद्रानी टंडन अवॉर्ड) चुना गया।

इसके अलावा, आईएमए बरेली शाखा को समग्र असाधारण प्रदर्शन के लिए बेस्ट लोकल ब्रांच (सुषमा राधेश्याम मेमोरियल अवॉर्ड), संकटग्रस्त साथियों की सेवा के लिए फोस्टरिंग फ्रेटरनिटी (डॉ. नईम हामिद अवॉर्ड) और सर्वश्रेष्ठ स्मारिका प्रकाशन के लिए बेस्ट सोविनियर (के. के. अग्रवाल एवं कमलेश अग्रवाल मेमोरियल अवॉर्ड) से नवाजा गया। इस उपलब्धि से शहर के चिकित्सा जगत में हर्ष का माहौल है।

जू-जित्सु के दांव-पेच में चमके खिलाड़ी, विवि टीम के लिए हुए चयनित

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली। (पं सत्यम शर्मा) बरेली। महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय की ओर से एमजेपी रुहेलखंड विश्वविद्यालय के स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स में अंतर-महाविद्यालयी पुरुष एवं महिला जू-जित्सु प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। रोमांचक मुकाबलों में खिलाड़ियों ने अनुशासन और खेल भावना का बेहतरीन प्रदर्शन किया। प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन करने वाले विजेताओं का चयन विश्वविद्यालय की टीम के लिए किया गया है।

स्वर्ण पदक विजेता और प्रमुख खिलाड़ी- महिला वर्ग में एसआरजे महाविद्यालय की नीलम बोहरा और तब्बू ने अपने-अपने वर्ग में उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए स्वर्ण पदक अपने नाम किया। इसके अलावा 48 किग्रा में पूजा, 52 किग्रा में रेशमा नाज़ व नैना, 57 किग्रा में मानसी वर्मा, 63 किग्रा में तन्नू तथा 70 किग्रा भार वर्ग में विशाखा रानी, तन्नू और खुशी गुप्ता ने दमदार चुनौती पेश की। पुरुष वर्ग में राजकीय डिग्री कॉलेज फरीदपुर के शिवम दिवाकर ने 56 किग्रा और महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय के अर्जुन सिंह ने 85 किग्रा भार वर्ग में स्वर्ण पदक पर कब्जा जमाया। वहीं मोहित (56 किग्रा), दिग्विजय (60 किग्रा), दीक्षांत (63 किग्रा), जगदीश चौधरी (69 किग्रा) और रामलखन (71 किग्रा) ने भी बेहतरीन खेल दिखाया।?

प्रतियोगिता में महाराजा अग्रसेन महाविद्यालय, साहू रामस्वरूप महिला महाविद्यालय, वीरांगना अवंतीबाई लोधी महिला महाविद्यालय, विवि परिसर, आरपी डिग्री कॉलेज मीरगंज, लक्ष्य इंस्टीट्यूट बिजनौर, राजकीय महाविद्यालय व बाबा फरीद डिग्री कॉलेज फरीदपुर तथा एमएम डिग्री कॉलेज मुरादाबाद आदि की टीमों ने हिस्सा लिया।?

इस अवसर पर रुहेलखंड विश्वविद्यालय के सह-क्रीड़ा सचिव डॉ. विजय कुमार सिन्हाल, डॉ. अजीत सिंह, महाराजा अग्रसेन शिक्षा समिति के महामंत्री व राष्ट्रीय पुरस्कार से सम्मानित शशि भूषण अग्रवाल, क्रीड़ा संयोजक गिरीश चंद्र अग्रवाल, क्रीड़ाधिकारी प्रफुल्ल पाठक, सचित कक्कड़ और डॉ. रेशू जौहरी आदि मौजूद रहे। अंत में प्राचार्य व समिति पदाधिकारियों ने चयनित खिलाड़ियों को शुभकामनाएं दीं।

हत्या के प्रयास में वांछित आरोपी , पुलिस मुठभेड़ में गिरफ्तार

@ क्यूँ न लिखूँ सच

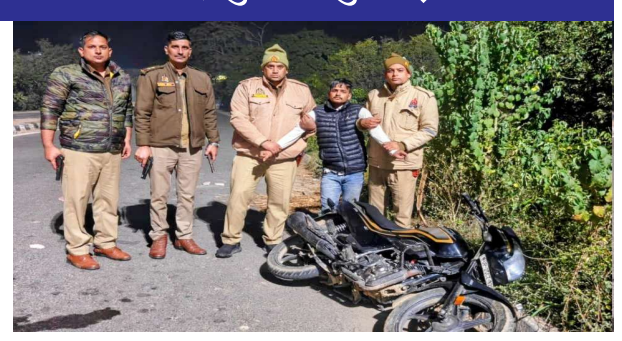

बरेली। (पं सत्यम शर्मा) बरेली। फरीदपुर क्षेत्र में हत्या के प्रयास में वांछित आरोपी पुलिस मुठभेड़ में गोली लगने से घायल हो गया। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से तमंचा, कारतूस और बाइक बरामद की है।बताते चलें कि 26 नवंबर की रात फरीदपुर स्थित जियो मार्ट के सिक्योरिटी गार्ड अजय कुमार का पड़ोस में कुर्सियां हटाने को लेकर विवाद हो गया था। आरोप है कि अमन अजमेरी, तौहीद और आमिर ने स्टूल, ईंट और पत्थरों से हमला कर उन्हें गंभीर रूप से घायल कर दिया था। इस मामले में पुलिस ने हत्या के प्रयास समेत गंभीर धाराओं में मुकदमा दर्ज किया था।

शनिवार तड़के फरीदपुर पुलिस ज्यारत के पास चेकिंग कर रही थी। तभी शाहजहांपुर की ओर भागने की फिराक में एक बाइक सवार को पुलिस ने रोकने का प्रयास किया। आरोप है कि पुलिस को देखकर बाइक सवार भागने लगा और पुलिस टीम पर तमंचे से फायर कर दिया। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में आरोपी के दाहिने पैर में गोली लग गई। घायल आरोपी की पहचान फरीदपुर के मोहल्ला ऊंचा निवासी तौहीद पुत्र इरशाद के रूप में हुई है।

पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक तमंचा, एक खोखा कारतूस, एक जिंदा कारतूस और सुपर स्प्लेंडर बाइक बरामद की है। घायल आरोपी को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है। पुलिस उसके आपराधिक इतिहास की जांच कर रही है।

70 विद्यालयों के सापेक्ष सिर्फ तीन में लगा बाल मेला, जिम्मेदार कर रहे शासन की मंशा को नजरअंदाज

@ क्यूँ न लिखूँ सच



फतेहगंज पश्चिमी। शासन के निर्देश पर शनिवार को ब्लॉक क्षेत्र के को-लोकेटेड आंगनवाड़ी केंद्र वाले 70 सरकारी विद्यालयों में माता-अभिभावक बैठक सह बाल मेले का आयोजन होना था। लेकिन जानकारी होने के बावजूद सिर्फ तीन विद्यालयों में ही मेले का आयोजन हुआ। हैरानी की बात यह है कि स्थानीय बाल विकास परियोजना कार्यालय को भी इसकी जानकारी तक नहीं थी।, जबकि विद्यालय प्रबंध समिति के खाते में 1500-1500 रुपये भेज दिए गए हैं।

जानकारी के मुताबिक बच्चों को खेल-खेल में सीखने का अवसर देने, उनकी रचनात्मक प्रतिभा को निखारने और अभिभावकों को प्रारंभिक शिक्षा से जोड़ने के मकसद से 70 विद्यालयों में प्रधानाध्यापकों के नेतृत्व में आंगनवाड़ी कार्यकत्रियों के सहयोग से खेल प्रतियोगिताएं, मनोरंजक गतिविधियां और रचनात्मक कार्यक्रम होने थे।

इसको लेकर राज्य परियोजना निदेशक मोनिका रानी ने जिलाधिकारी, मुख्य विकास अधिकारी और जिला कार्यक्रम अधिकारी को पत्र जारी कर बाल मेले लगाने के निर्देश दिए थे। कार्यक्रम के अन्य खर्च और विजेता बच्चों को पुरस्कार देने के लिए हर विद्यालय को 1500 रुपये की धनराशि भी भेजी गई है। इसके बावजूद सिर्फ रहेपुरा जागीर, राफियाबाद और तुरसा पट्टी में ही बाल मेला लगा। बाकी केंद्रों पर शासन के आदेश को नजरअंदाज कर दिया गया।हैरानी की बात यह है।स्थानीय ब्लॉक सीडीपीओ राम गोपाल वर्मा,मुख्य सेविका दीक्षा शर्मा को शासना आदेश की जानकारी तक नहीं थी।उन्होंने बताया उनके यहां 70 को लोकेटेड केंद्र है।उन्हें आंगनबाड़ी केंद्रों से कार्यक्रम की जानकारी मिल रही है।

बाल मेले की थीम 'छोटे कदम, बड़ी उम्मीदें, साथ मिलें तो सपने पूरे होंगे' रखी गई थी।खंड शिक्षा अधिकारी रमेश पंकज ने बताया जादातर जगह बाल मेला लगाए गए है। शिक्षक जनगणना और बूथ पर वोट बनाने में लगे है।इसीलिए अगर कहीं नहीं लगा होगा।ऐसे विद्यालयों की जानकारी लेकर कार्यवाही की जाएगी।

चोरी का ई-रिक्शा बेचने की फिराक में घूम रहा आरोपी गिरफ्तार, वाहन बरामद

@ क्यूँ न लिखूँ सच



फतेहगंज पश्चिमी-बरेली । थाना फतेहगंज पश्चिमी पुलिस ने ई-रिक्शा चोरी के मामले में फरार चल रहे एक आरोपी को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से चोरी किया गया ई-रिक्शा भी बरामद कर लिया है। आरोपी चोरी के ई-रिक्शा को बेचने की फिराक में घूम रहा था।

पुलिस के अनुसार, बीती 2 अक्टूबर की रात करीब दो बजे गांव रुकुमपुर निवासी सोनी पुत्र नन्हे लाल का ई-रिक्शा (यूपी25सीटी5562) अज्ञात चोर चोरी कर ले गया था। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर मामले की जांच शुरू की थी। विवेचना उपनिरीक्षक पंकज कुमार कर रहे थे।

शनिवार को वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर अपराधियों के खिलाफ चलाए जा रहे अभियान के तहत थाना फतेहगंज पश्चिमी पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर शंखा-धनतिया रोड से आरोपी महावीर पुत्र स्वर्गीय नत्थू लाल निवासी गांव धनतिया को गिरफ्तार कर लिया। जिसकी उम्र लगभग 25 वर्ष है ।पुलिस ने उसकी निशानदेही पर चोरी का ई-रिक्शा भी बरामद कर लिया। गिरफ्तार आरोपी के खिलाफ विधिक कार्रवाई कर उसे न्यायालय में पेश करने के लिए भेजा गया है।

डिलारी पुलिस ने हत्या के मुकदमे में वांछित महिला को किया गिरफ्तार, गोद में था डेढ़ माह का बच्चा

♦ बमनिया पट्टी में युवक की हत्या और शव छिपाने के मामले में चल रही थी तलाश, दो आरोपी पहले ही भेजे जा चुके हैं जेल

@ क्यूँ न लिखूँ सच



मुरादाबाद। डिलारी थाना क्षेत्र के गांव बमनिया पट्टी में युवक की हत्या कर शव छिपाने के मामले में फरार चल रही महिला आरोपी को डिलारी पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने 28 नवंबर 2026 को मुखबिर की सूचना पर पीलकपुर श्योराम से महेशपुर मार्ग पर स्थित गोकुल वाटिका मंडप से करीब 100 मीटर की दूरी पर महिला को गिरफ्तार किया। गिरफ्तारी के समय महिला की गोद में करीब डेढ़ माह का बच्चा था।पुलिस के अनुसार, गांव बमनिया पट्टी निवासी राजेश पुत्र छुन्नन ने 20 सितंबर 2026 को पुलिस को तहरीर देकर अपने पुत्र रिंकू (करीब 36 वर्ष) की हत्या की साजिश रचने, जान से मारने की धमकी देने और हत्या कर शव छिपाने का आरोप लगाया था। तहरीर के आधार पर डिलारी थाने में शिवम पुत्र सुखलाल, अमित पुत्र सुखलाल और आंचल पत्नी रिंकू के खिलाफ मुकदमा दर्ज किया गया था।पुलिस के मुताबिक, मामले में नामजद आरोपी शिवम को 21 सितंबर को गिरफ्तार किया गया था। उसके कब्जे से आलाकत्ल भी बरामद किया गया था। वहीं दूसरे आरोपी अमित को 22 सितंबर को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश करने के बाद जिला कारागार भेज दिया गया था। तीसरी आरोपी आंचल पत्नी रिंकू तभी से मुकदमे में वांछित चल रही थी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक और पुलिस अधीक्षक ग्रामीण के निर्देश तथा क्षेत्राधिकारी की देखरेख में वांछित आरोपियों की गिरफ्तारी के लिए चलाए जा रहे अभियान के तहत पुलिस ने 28 नवंबर को सुबह करीब 10:52 बजे आंचल को गिरफ्तार कर लिया। आवश्यक कानूनी कार्रवाई पूरी करने के बाद उसे न्यायालय के समक्ष पेश किया जा रहा है।

संक्षिप्त समाचार

बिलारी चीनी मिल को मिले दो और गन्ना क्रय केंद्र

बिलारी @ **क्यूँ न लिखूँ सच** । शासन ने लक्ष्मी जी शुगर मिल्स कंपनी लिमिटेड राजा का सहसपुर बिलारी को दो क्रय केंद्र आवंटित किए हैं जिनमें बसेरा खास नया और जरगांव क्रय केंद्र शामिल हैं। चीनी मिल के उपाध्यक्ष सुभाष खोखर ने बताया कि इन दोनों क्रय केंद्रों के आवंटन से गन्ना उत्पादकों में खुशी है।

एटा में दर्दनाक हादसा: बस ने बाइक सवारों को रौंदा, ममेरे भाई-बहन की मौत; नवोदय परीक्षा देकर लौट रही थी छात्रा



हादसे की खबर मिलते ही दो परिवारों में चीख-पुकार मच गई। जिस बच्ची को परिजन बेहतर भविष्य की उम्मीद में प्रवेश परीक्षा दिलाने लाए थे, उसकी मौत से परिवार के लोग सदमे में हैं।एटा में नवोदय विद्यालय की कक्षा छह की प्रवेश परीक्षा दिलाकर लौट रहे बाइक सवार युवक और उसकी 12 वर्षीय ममेरी बहन की सड़क हादसे में मौत हो गई, जबकि युवक का भाई घायल हो गया। हादसा नगला मदिया के पास हुआ, जहां निजी बस ने बाइक में टक्कर मार दी। हादसे में नगला बाय निवासी राजीव (20) पुत्र नारायण और खड़गपुर थाना सकीट निवासी उसकी ममेरी बहन कंचन (12) पुत्री आशीष की मौत हो गई। वहीं बाइक पर सवार राजीव का भाई रोहित घायल हो गया।परिजनों के अनुसार कंचन को शनिवार सुबह नवोदय विद्यालय की कक्षा छह की प्रवेश परीक्षा दिलाने के लिए राजीव और उसका भाई रोहित गांव से एटा लेकर आए थे। दोनों भाइयों ने कंचन को परीक्षा केंद्र पर छोड़ा था। परीक्षा समाप्त होने के बाद तीनों बाइक से लौट रहे थे। इसी दौरान नगला मदिया के पास निजी बस ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। टक्कर लगने से तीनों सड़क पर गिरकर जख्मी हो गए। हादसे में राजीव और कंचन की मौत हो गई, जबकि रोहित को हल्की चोटें आईं। राजीव अपने भाइयों में सबसे बड़ा था। वहीं कंचन तीन बहनों और एक भाई में सबसे छोटी थी। हादसे की खबर मिलते ही दोनों परिवारों में चीख-पुकार मच गई। जिस बच्ची को परिजन बेहतर भविष्य की उम्मीद में प्रवेश परीक्षा दिलाने लाए थे, उसकी मौत से परिवार के लोग सदमे में हैं।

लखनऊ में जुटे कोटेदार: बिना लिखित शिकायत जांच बंद कराने की मांग, कमीशन बढ़ाने के साथ आयुष्मान कार्ड भी मांगा

लखनऊ में आयोजित कोटेदारों के वार्षिक सम्मेलन में बिना लिखित शिकायत के अनावश्यक जांच रोकने, राशन कमीशन बढ़ाने और आयुष्मान भारत योजना का लाभ देने की मांग उठी। मुख्य अतिथि खाद्य एवं रसद मंत्री मनोज पांडेय ने सरकार की प्रतिबद्धता दोहराते हुए अन्य मांगों पर सकारात्मक विचार का आश्वासन दिया। यूपी में कोटेदारों ने अनावश्यक जांच बंद कराने और आयुष्मान भारत योजना से जोड़ने की मांग उठाई है। शनिवार को लखनऊ के रविंद्रालय सभागार, चारबाग में ऑल इंडियन फेयर प्राइस शॉप डीलर एसोसिएशन उत्तर प्रदेश का वार्षिक सम्मेलन एवं सम्मान समारोह आयोजित किया गया। इसमें प्रदेश अध्यक्ष राजेश तिवारी ने कहा कि बिना लिखित शिकायत के जांच से कोटेदार आर्थिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित हो रहे हैं। ऐसी जांच तत्काल बंद होनी चाहिए। उन्होंने राशन कमीशन में 25 रुपये प्रति कुंतल की वृद्धि के लिए प्रदेश सरकार का आभार जताया, लेकिन इसे नाकाफी बताते हुए कमीशन और बढ़ाने की मांग की। साथ ही प्रदेश के सभी कोटेदारों को आयुष्मान भारत कार्ड योजना का लाभ देने की मांग उठाई। कार्यक्रम में मुख्य अतिथि खाद्य एवं रसद मंत्री मनोज पांडेय और राज्यमंत्री सतीश शर्मा ने कोटेदारों को संबोधित किया। कैबिनेट मंत्री ने कहा कि सरकार कोटेदारों के कल्याण और सम्मान के लिए प्रतिबद्ध है। कमीशन में वृद्धि इसी दिशा में कदम है। संगठन की अन्य मांगों पर भी सरकार सकारात्मक विचार करेगी। सम्मेलन में मेहदावल के विधायक अनिल त्रिपाठी और ऑल इंडियन फेयर प्राइस शॉप डीलर फेडरेशन के राष्ट्रीय महासचिव विशंभर वासु मौजूद रहे। प्रदेश अध्यक्ष राजेश तिवारी ने अतिथियों का अंगवस्त्र और स्मृति चिह्न देकर स्वागत किया। संचालन प्रदेश महासचिव अशोक सिंह ने किया।

नटेरन श्री कृष्ण विद्यासागर हायर सेकेंडरी स्कूल, नटेरन में बाल मेला उत्सव की छप्पन भोग स्वादिष्टता की प्रशंसा विधायक सूर्य प्रकाश मीणा जी द्वारा की

@ क्यूँ न लिखूँ सच



विदिशा (हाकम सिंह रघुवंशी) कार्यक्रम की चर्चा ग्रामीण क्षेत्र में पूरे उत्सव के साथ बाल मेला उत्सव जनक स्थिति में शुरू से आखरी तक मेला में उपस्थित जनों ने आनंद लिया। जिसमें सभी बच्चे भी प्रसन्न रहे एवं मेला में पहुंचने वाले शासन प्रशासन के जनप्रतिनिधि अधिकारी गण पुलिस प्रशासन सभी ने सहभागिता की।

कार्यक्रम का शुभारंभ शमशाबाद विधानसभा क्षेत्र के विधायक सूर्य प्रकाश मीणा ने फीता काटकर किया। इस अवसर पर जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि यशपाल रघुवंशी, शमशाबाद ज्ञान ज्योति हाई स्कूल के संस्थापक रुपेश आर्य,! द्ध 2 द्ध , विदिशा जिला इकाई अध्यक्ष हाकम सिंह रघुवंशी , ने कार्यक्रम में सहभागिता की। कार्यक्रम के दौरान विधायक सूर्य प्रकाश मीणा ने विद्यार्थियों द्वारा बाल मेले में प्रस्तुत की गई प्रतिभा, रचनात्मकता एवं विभिन्न गतिविधियों का उत्साहपूर्वक अवलोकन किया तथा बच्चों का उत्साहवर्धन किया।

विद्यालय के संचालक कमलेश मालवीय ने विधायक सूर्य प्रकाश मीणा एवं जनपद अध्यक्ष प्रतिनिधि यशपाल रघुवंशी को स्मृति चिह्न भेंट कर स्वागत किया। वहीं उपस्थित सभी अतिथियों का शॉल एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया।

इस अवसर पर मंडल अध्यक्ष संग्राम सिंह, प्रशांत पालीवाल जयपाल सिंह यादव शैलेन्द्र सिंह ठाकुर, अंसूज शर्मा, निरंजन सिंह, सचिन तिवारी,धीरज सिंह राजू पटेल संतोष बैरागी संदीप गुर्जर, कमोड सिंह रामबाबू यादव अरुण रघुवंशी अमित रघुवंशी माखन सिंह संजय चौकसे संजीव रघुवंशी नेतराम परिहार अखलेश रघुवंशी राजेश रघुवंशी सहित बड़ी संख्या में पार्टी कार्यकर्ता, शिक्षक-शिक्षिकाएं एवं छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

बाल मेले के आयोजन से विद्यालय परिसर में उत्साह और उल्लास का माहौल रहा।छात्र छात्राओं द्वारा शानदार विज्ञान प्रदर्शनी एवं 56, भोग सहित सभी प्रकार के खाद्य सामग्री के स्टॉल लगाए जिनकी विधायक ने प्रशंसा की।कार्यक्रम का उद्देश्य विद्यार्थियों की छिपी प्रतिभाओं को मंच प्रदान करना तथा उनमें रचनात्मकता एवं आत्मविश्वास को बढ़ावा देना रहा।

खेलकूद से होता है भैया-बहनों का सर्वांगीण विकास : श्रीराम अग्रवाल



@ क्यूँ न लिखूँ सच

अमरपुर काशी श्रीमती मीरा अग्रवाल सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में शिशु वर्ग के विजेता भैया-बहनों को विद्यालय प्रबंधक श्रीराम अग्रवाल ने पुरस्कार वितरित किए। इस अवसर पर उन्होंने छोटे बच्चों के लिए बेबी ट्राईसाइकिल तथा मनोरंजन एवं संगीत अभ्यास के लिए पियानो विद्यालय को भेंट किया। इसके बाद आयोजित आचार्य बैठक में श्रीराम अग्रवाल ने कहा कि खेलकूद से बच्चों का शारीरिक, मानसिक, बौद्धिक एवं प्राणिक विकास होता है। इसलिए पढ़ाई के साथ खेलकूद पर भी विशेष ध्यान देना चाहिए। उन्होंने आचार्यों को निर्देश दिए कि निर्धारित समय में पाठ्यक्रम पूरा कराकर नियमित रूप से उसका पुनरावर्तन भी कराएं, जिससे विद्यार्थियों की शैक्षिक गुणवत्ता में सुधार हो सके। इस अवसर पर ऋषिपाल सिंह, पद्मेंद्र सिंह यादव, राकेश कुमार, वीरेश यादव, ओमकार मौर्य, मीनू यादव, कंचन यादव, प्रीति शर्मा, कुसुम लता सैनी, दीपांशी गंगवार, कशिश गंगवार, दीक्षा कुमारी एवं गीता यादव सहित विद्यालय परिवार उपस्थित रहा। विद्यालय परिवार ने प्रबंधक के सहयोग एवं मार्गदर्शन के प्रति आभार व्यक्त किया।

पुण्यतिथि पर याद किया महात्मा ज्योतिबा फुले को

@ क्यूँ न लिखूँ सच



कुंदरकी । महात्मा ज्योतिबा फुले की पुण्यतिथि पर ज्वाली राम इंटर कॉलेज में श्रद्धांजलि सभा का आयोजन किया, शुरुआत उनके चित्र पर माल्यार्पण कर की गई।जिला संयोजक शिक्षक प्रकोष्ठ अमर सिंह सैनी ने उनके जीवन पर विस्तार से प्रकाश डाला।

कहा कि फुले उन्होंने जीवनभर सामाजिक कुरीतियों, जातिगत भेदभाव और अशिक्षा के खिलाफ संघर्ष किया। महिलाओं और वंचित वर्गों की शिक्षा के लिए कार्य किए।मंडल महामंत्री अरविन्द कुमार पुंडीर ने कहा कि महात्मा फुले का संदेश था - शिक्षा ही समाज के उत्थान का सबसे बड़ा माध्यम है। आज की युवा पीढ़ी को उनके आदर्शों पर चलकर समाज में समरसता और समानता को बढ़ावा देना चाहिए। कार्यक्रम में मडल उपाध्यक्ष देव सिंह सैनी, विजेंद्र चौधरी, अंकुर जैन, देशराज सिंह, गजेंद्र सैनी, उदय सैनी ,राजकुमार सैनी रहे।

कुंदरकी में मैरिज हॉल में लात घूसे चलने का वीडियो वायरल, गाना बदलने को लेकर भिड़े दो गुट

@ क्यूँ न लिखूँ सच

कुंदरकी । नगर के वेलकम मैरिज हॉल में शादी समारोह के दौरान गाना बदलने को लेकर दो पक्षों में मारपीट हो गई। इसका वीडियो सोशल मीडिया पर प्रसारित हो रहा है। कई लोगों ने इस वीडियो को सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म %एक्स% पर मुरादाबाद पुलिस को टैग करते हुए मामले में कार्रवाई की मांग की है। बारात गांव चमरौआ से आई थी, जबकि वधू पक्ष काजीपुरा गांव का है। डीजे पर गाना बदलने की को लेकर दोनों पक्षों के बीच विवाद हो गया। देखते ही देखते विवाद इतना बढ़ गया लात-घूंसे, कुर्सियों और झाड़ू से भी हमला किया। इस दौरान किसी बाराती ने पूरी घटना का वीडियो अपने मोबाइल फोन में रिकॉर्ड कर इंटरनेट मीडिया पर प्रसारित कर दिया। थाना प्रभारी संतोष कुमार सिंह का कहना है वायरल वीडियो के आधार पर जांच की जा रही है उधर कमालपुर फतेहाबाद में दो पक्षों के बीच मारपीट की घटना में फाजिल और नोमान पर कार्रवाई की है।

ससुराल से मायूस होकर लौटा युवक, रात में कमरे में फंदे पर मिला शव

@ क्यूँ न लिखूँ सच

अलीगढ़ (लवकुश ठाकुर) अलीगढ़ अतरौली क्षेत्र की बुढ़ासी ग्राम पंचायत के मजरा नगला हाजी में 29 वर्षीय विष्णु पुत्र महिपाल की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई। रात करीब नौ बजे उसका शव कमरे में फंदे पर लटका मिला। परिजनों की सूचना पर पहुंची पुलिस ने कमरे का दरवाजा खुलवाकर शव नीचे उतारा और पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। मृतक के तहेरे भाई धर्मेंद्र के अनुसार, विष्णु की शादी करीब डेढ़ साल पहले विजयगढ़ क्षेत्र के गांव भिनौली निवासी यशोदा देवी से हुई थी।

उसकी पत्नी कई माह से मायके में रह रही थी। बुधवार को विष्णु बाइक लेकर ससुराल गया था।

बृहस्पतिवार को लौटने पर वह काफी मायूस था। पूछने पर उसने बताया कि ससुराल वालों ने उसके साथ मारपीट की और शादी में मिली बाइक भी छीन ली। परिजनों ने इसी बात से क्षुब्ध होकर उसके यह कदम उठाने की आशंका जताई है। सीओ अतरौली अनिवेश कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में हैंगिंग की पुष्टि हुई है और शरीर पर किसी चोट का उल्लेख नहीं है। अभी कोई तहरीर नहीं मिली है। शिकायत मिलने पर जांच कर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

जिला कारागार का निरीक्षण कर बंदियों की समस्याएं सुनीं

@ क्यूँ न लिखूँ सच



जनपद बदायूँ में उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देशानुसार जिला विधिक सेवा प्राधिकरण बदायूँ की सचिव एवं अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश आंचल राना धवन ने शनिवार को जिला कारागार का निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने दण्ड प्रक्रिया संहिता, 1973 की धारा 436ए से आच्छादित ऐसे बंदियों की सूची उपलब्ध कराने के निर्देश दिए, जो अपनी सजा की आधी अवधि से अधिक समय कारागार में व्यतीत कर चुके हैं। साथ ही ऐसे बंदियों की रिहाई के संबंध में की गई कार्रवाई का विवरण भी उपलब्ध कराने के निर्देश अधीक्षक जिला कारागार को दिए।

निरीक्षण के दौरान उन्होंने जिला कारागार की पाकशाला एवं समस्त बैरकों का निरीक्षण किया तथा परिसर में निरंतर साफ-सफाई एवं स्वच्छता बनाए रखने के निर्देश दिए। उन्होंने कारागार में निरुद्ध बंदियों से संवाद कर उनकी समस्याएं सुनीं और उन्हें उपलब्ध कराई जा रही विधिक सहायता के संबंध में जानकारी प्राप्त की। साथ ही बंदियों को उनके विधिक अधिकारों एवं नि:शुल्क विधिक सहायता के प्रति जागरूक किया। उन्होंने जरूरतमंद बंदियों को नि:शुल्क अधिवक्ता उपलब्ध कराने, जमानतदार की व्यवस्था कराने तथा बंदियों को नियमित रूप से दवाएं उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। इसके अतिरिक्त महिला बंदियों के साथ रह रहे छोटे बच्चों के लिए दूध की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित कराने के भी निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान जिला कारागार के अधीक्षक राजेन्द्र कुमार, कारापाल शैलेश कुमार शंकर, उपकारापाल कमल चन्द, चिकित्साधिकारी डॉ0 बलराम सिंह यादव, फार्मासिस्ट शशिकान्त, अध्यापक नवनीत सक्सेना सहित जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के डिप्टी चीफ एलएडीसी सत्यवीर सिंह, असिस्टेंट एलएडीसी राकेश कुमार यादव एवं अन्य कर्मचारी उपस्थित रहे।

थाना उघैती पुलिस नें शांति 11 अभियुक्तगण को भेजा जेल

@ क्यूँ न लिखूँ सच



एसएसपी के आदेशानुसार जनपद मे चलाए जा रहे शांति व्यवस्था भंग कार्यवाही अभियान के अन्तर्गत आज थाना उघैती पुलिस द्वारा 09 अभियुक्तगण 1. आदर्श पुत्र श्रीराम नि0 ग्राम उघैती गर्वी थाना उघैती जनपद बदायूँ 2. अभिषेक पुत्र श्रीराम नि0 ग्राम उघैती गर्वी थाना उघैती जनपद बदायूँ 3. अनमोल पुत्र विजय सिंह नि0 ग्राम उघैती गर्वी थाना उघैती जनपद बदायूँ 4. रोहित पुत्र विजय सिंह नि0 ग्राम उघैती गर्वी थाना उघैती जनपद बदायूँ 5. दीपक कुमार पुत्र लाखन सिहं निवासी ग्राम किसेरा थाना उघैती जनपद बदायूं 6.उपकार पुत्र राजेन्द्र सिहं निवासी ग्राम किसेरा थाना उघैती जनपद बदायूं 7.मेघ सिहं पुत्र रामप्रसाद निवासी ग्राम किसेरा थाना उघैती जनपद बदायूं 8.ललतेश पुत्र धर्मेन्द्र सिहं नि0 ग्राम बरवारा थाना उघैती जनपद बदायूं 9. अजय कुमार पुत्र सोमपाल नि0 ग्राम रायपुर कला थाना उघैती जनपद बदायूं को अन्तर्गत धारा 170/126/135 बीएनएसएस में गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय के समक्ष पेश किया गया। इसके अतिरिक्त थाना उघैती पुलिस द्वारा 02 अभियुक्तगण 1. मुकेश पुत्र कृपाल नि0 ग्राम खण्डुआ थाना उघैती जनपद बदायूं 2. जयवीर पुत्र छोटेलाल नि0 ग्राम खण्डुआ थाना उघैती जनपद बदायूं को अन्तर्गत धारा 170/126/135 बीएनएसएस में गिरफ्तार कर मा0 न्यायालय के समक्ष पेश किया गया

पं. अलंकार अग्निहोत्री ने किया संगठन का विस्तार, पं हरिप्रकाश शर्मा को प्रदेश प्रवक्ता की मिली जिम्मेदारी

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली। (पं सत्यम शर्मा)बरेली ,मेरठ । राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा पार्टी ने संगठनात्मक विस्तार करते हुए कई प्रमुख पदों पर नई नियुक्तियां की हैं। पार्टी द्वारा जारी जानकारी के अनुसार, राष्ट्रीय अध्यक्ष पंडित अलंकार अग्निहोत्री ने समाज सेवा में सक्रिय भूमिका को देखते हुए ब्राह्मण वंशीय एकता लक्ष्य के संस्थापक व राष्ट्रीय महामंत्री पंडित हरिप्रकाश शर्मा (मेरठ) को पार्टी की सदस्यता दिलाई और उन्हें उत्तर प्रदेश प्रवक्ता की जिम्मेदारी सौंपी।

इसी क्रम में संगठन को मजबूती देने के उद्देश्य से %ब्राह्मण वंशीय एकता लक्ष्य% के गाजियाबाद जिला अध्यक्ष राकेश शर्मा को राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा का गाजियाबाद जिला प्रभारी नियुक्त किया गया है। राष्ट्रीय अध्यक्ष पं. अलंकार अग्निहोत्री ने दोनों नवनियुक्त पदाधिकारियों को शुभकामनाएं देते हुए संगठन की नीतियों को जन-जन तक पहुंचाने का आह्वान किया। इसके साथ ही बैठक में आगामी चुनावों के मद्देनजर कई विधानसभा क्षेत्रों के प्रत्याशियों के नामों की भी घोषणा की गई।

प्रमुख पदाधिकारियों की रही उपस्थिति ?पार्टी सूत्रों के मुताबिक, इस कार्यक्रम में ब्राह्मण वंशीय एकता लक्ष्य के राष्ट्रीय संरक्षक महेश शर्मा (बुदीना कलां, मुजफ्फरनगर) और प्रदेश संरक्षक अशोक शर्मा (84 लाठियान खाप) विशेष रूप से उपस्थित रहे।

इसके अलावा राष्ट्रीय अधिकार मोर्चा के प्रदेश अध्यक्ष विश्वदीप अवस्थी, सहारनपुर मंडल अध्यक्ष रविंद्र कौशिक, मुजफ्फरनगर जिला अध्यक्ष शैलेंद्र गौतम, पश्चिम उत्तर प्रदेश सचिव पंडित चमन लाल कुकी और प्रिंस गौड़ सहित संगठन के कई अन्य वरिष्ठ पदाधिकारी मौजूद रहे।

जीआईसी में मंडलीय संयुक्त शिक्षा निदेशक ने की माध्यमिक विद्यालयों की समीक्षा

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली। (पं सत्यम शर्मा) बरेली। माध्यमिक विद्यालयों में शैक्षणिक गुणवत्ता सुधारने और विभागीय पोर्टल के कार्यों में तेजी लाने के लिए शनिवार को पीएम श्री राजकीय इंटर कॉलेज में समीक्षा बैठक आयोजित की गई। संयुक्त शिक्षा निदेशक (बरेली मंडल) रामाज्ञा कुमार की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में जिले के सभी राजकीय, अशासकीय सहायता प्राप्त और वित्तविहीन विद्यालयों के प्रधानाचार्य शामिल हुए।

बैठक में संयुक्त शिक्षा निदेशक ने वार्षिक पंचांग के अनुसार पठन-पाठन, आगामी बोर्ड परीक्षा की तैयारियों और कर्मयोगी पोर्टल पर शिक्षकों के कोर्स पूरा होने की स्थिति की गहन समीक्षा की। उन्होंने यू-डाइस पोर्टल पर स्कूल, शिक्षक व छात्र प्रोफाइल अपडेट करने तथा ड्रॉपबॉक्स में दिख रहे बच्चों को तत्काल इंपोर्ट करने के निर्देश दिए।

बैठक को संबोधित करते हुए जिला विद्यालय निरीक्षक (डीआईओएस) डॉ. अजीत कुमार ने सभी प्रधानाचार्यों को स्पष्ट निर्देश दिए कि 30 नवंबर 2026 तक यू-डाइस पोर्टल पर लंबित सभी कार्य हर हाल में पूरे कर लिए जाएं।

कार्यक्रम का संचालन जिला समन्वयक वीरेंद्र गंगवार ने किया। बैठक में प्रमुख रूप से जीआईसी बरेली के प्रधानाचार्य ओपी राय, जीआईसी जागीर के प्रधानाचार्य अवनीश यादव और जीआईसी फतेहगंज के प्रधानाचार्य डॉ. लोकेश चंद्र सहित अन्य प्रधानाचार्य उपस्थित रहे।

मतदाता पुनरीक्षण अभियान का जायजा लेने मैदान में उतरीं - पूर्व महापौर सुप्रिया ऐरन

@ क्यूँ न लिखूँ सच



बरेली। (पं सत्यम शर्मा) बरेली। मतदाता पहचान पत्र पुनरीक्षण अभियान-2027 के तहत पूर्व महापौर सुप्रिया ऐरन ने शनिवार को सुभाषनगर स्थित खालसा इंटर कॉलेज और सिविल लाइंस तहसील मतदान क्षेत्र के विशेष कैंपों का निरीक्षण किया। इस दौरान उन्होंने बीएलओ और तहसील अधिकारियों से अभियान की प्रगति जानी और मतदाता सूची को पूरी तरह शुद्ध, पारदर्शी व त्रुटिरहित बनाने पर जोर दिया।

कैंप में मौजूद लोगों और कार्यकर्ताओं से संवाद करते हुए श्रीमती ऐरन ने कहा कि मजबूत लोकतंत्र के लिए निष्पक्ष मतदाता सूची पहली शर्त है। उन्होंने बीएलओ से 18 वर्ष की आयु पूरी कर चुके युवाओं की पहचान कर उनका पंजीकरण सुनिश्चित करने को कहा, ताकि पहली बार मतदान करने वाले युवा लोकतंत्र के इस महापर्व से वंचित न रहें। साथ ही उन्होंने आम नागरिकों से भी अपील की कि वे अपने विवरण की जांच कर त्रुटियों में सुधार कराएं और सुनिश्चित करें कि सूची में कोई भी फर्जी या अपात्र नाम शामिल न हो।इस मौके पर संजय बिसारिया, संजय वर्मा और अजय मिश्रा सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

ई-चालान निस्तारण को लगी विशेष लोक अदालत , 337 मामलों में ?1.37 लाख जुर्माना

@ क्यूँ न लिखूँ सच

बरेली। (पं सत्यम शर्मा) बरेली। लंबित ई-चालानों से परेशान वाहन स्वामियों को बड़ी राहत देते हुए शनिवार को जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से विशेष लोक अदालत का आयोजन किया गया। उत्तर प्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ के निर्देश तथा जनपद न्यायाधीश एवं प्राधिकरण अध्यक्ष प्रदीप कुमार सिंह के मार्गदर्शन में आयोजित इस अदालत में मोटर वाहन अधिनियम के तहत लंबित मामलों का त्वरित निपटारा किया गया।

विशेष लोक अदालत के दौरान मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट (सीजेएम) सुरेश कुमार दुबे ने सुनवाई करते हुए कुल 337 ई-चालानों का निस्तारण किया और 1,37,799/- की जुर्माना राशि अधिरोपित करने के आदेश पारित किए। वादकारियों की सुविधा के लिए सभी मामलों का भुगतान पेमेंट सेतु के माध्यम से ऑनलाइन व सरल प्रक्रिया से कराया गया।जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की सचिव जया प्रियदर्शनी ने बताया कि इस विशेष लोक अदालत का मुख्य उद्देश्य आमजन को कोर्ट-कचहरी के चक्करों से बचाकर त्वरित, सुलभ और सरल माध्यम से अधिक से अधिक लंबित ई-चालान प्रकरणों का निस्तारण सुनिश्चित करना है।

ANA कट पर लगातार हादसे, छुट्टा पशु से टकराई कार, व्यापारी बाल-बाल बचे

@ क्यूँ न लिखूँ सच



शशांक गुप्ता (मोनू गुप्ता) फतेहगंज पश्चिमी- राष्ट्रीय राजमार्ग पर शंखा पुल के पास ह्न कट पर लगातार हादसे हो रहे हैं। शनिवार दोपहर एक छुट्टा पशु अचानक सड़क पर आ जाने से व्यापारी इरशाद हुसैन की स्विफ्ट कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। हादसे में कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया, जबकि व्यापारी और उनका परिवार बाल-बाल बच गया।जानकारी के अनुसार, कस्बा निवासी व्यापारी इरशाद हुसैन शनिवार दोपहर बरेली से अपनी स्विफ्ट कार (नंबर UP25ES4913) से फतेहगंज पश्चिमी कस्बे लौट रहे थे। इसी दौरान राष्ट्रीय राजमार्ग पर शंखा पुल के पास ह्न कट पर अचानक एक छुट्टा पशु सड़क पर आ गया। पशु से टकराने के कारण उनकी कार का अगला हिस्सा क्षतिग्रस्त हो गया।हादसे के समय इरशाद हुसैन अपने परिवार के साथ कार में सवार थे। गनीमत रही कि दुर्घटना में किसी को चोट नहीं आई और सभी सुरक्षित बच गए। ANA कट पर लगातार हादसे हो रहे हैं, लेकिन इसपर किसी का संज्ञान नहीं है।

संक्षिप्त समाचार

इंस्टाग्राम पर परवान चढ़ा प्यार, पांच बच्चों की मां प्रेमी संग जाने की जिद पर अड़ी

अलीगढ़ (लवकुश ठाकुर) गंगीरी थाना क्षेत्र में इंस्टाग्राम पर शुरू हुई बातचीत के बाद पांच बच्चों की मां का श्रावस्ती निवासी युवक से प्रेम प्रसंग हो गया। दोनों के बीच मुलाकात और रुपये के लेन-देन का सिलसिला भी शुरू हो गया। महिला ने प्रेमी को गंगीरी आने के लिए एक हजार रुपये ऑनलाइन भेजे थे। सुबह युवक गंगीरी चौराहे पर पहुंचा तो महिला भी घर से एक छोटे बच्चे को लेकर वहां आ गई। दोनों साथ जाने की तैयारी कर रहे थे, तभी महिला का पति मौके पर पहुंच गया और दोनों को पकड़कर पुलिस को सूचना दी। पुलिस महिला और युवक को थाने ले आई। वहां महिला प्रेमी के साथ जाने की जिद पर अड़ी रही। काफी समझाने और युवक को छोड़ने के बाद महिला अपने पति के साथ घर चली गई।

शादी से पहले शिक्षक की सड़क हादसे में मौत, खबर सुनकर बेसुध हुई होने वाली दुल्हन

अलीगढ़ (लवकुश ठाकुर) अलीगढ़ कमालपुर रोड पर सुबह तेज रफ्तार ट्रक की टक्कर से बाइक सवार शिक्षक किरनवीर (26) की मौत हो गई। हादसे के बाद चालक ट्रक लेकर फरार हो गया। किरनवीर की 25 जनवरी को शादी होनी थी। उनकी मौत की खबर सुनते ही कासगंज में रहने वाली होने वाली दुल्हन बेसुध हो गई। दोनों परिवारों में शादी की तैयारियां चल रही थीं, लेकिन हादसे ने खुशियों को मातम में बदल दिया। एटा के गांव ढीमरी निवासी संजय सिंह के बेटे किरनवीर गांधीपार्क क्षेत्र के सिंधौली में रहते थे। वह आगरा रोड स्थित सरस्वती विद्या मंदिर इंटर कॉलेज में कंप्यूटर शिक्षक थे। सुबह बाइक से कॉलेज जाते समय भदेसी गांव के पास सामने से आए तेज रफ्तार ट्रक ने उनकी बाइक में टक्कर मार दी। गंभीर हालत में उन्हें निजी अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने मृत घोषित कर दिया। सूचना पर पहुंची गांधीपार्क पुलिस ने शव पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया। दो भाइयों में बड़े किरनवीर की सगाई हो चुकी थी। उनके छोटे भाई आदित्य एलएलबी की पढ़ाई कर रहे हैं। साथी शिक्षक की मौत से कॉलेज में भी शोक छा गया। सीओ द्वितीय धनंजय कुमार ने बताया कि तहरीर मिलने पर मुकदमा दर्ज कर कार्रवाई की जाएगी। ट्रक चालक की तलाश की जा रही है।

शादी होते ही शुरू हुई ब्लैकमेलिंग, एडिट फोटो वायरल करने की धमकी पर केस दर्ज

अलीगढ़ (लवकुश ठाकुर) अलीगढ़ लोधा थाना क्षेत्र में एक व्यक्ति ने बदायूं निवासी अभिषेक के खिलाफ बेटी की शादी के बाद उसकी एडिट की गई तस्वीरें वायरल करने और परिवार को ब्लैकमेल करने का आरोप लगाया है। पीड़ित की तहरीर पर पुलिस ने आरोपी के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। तहरीर के मुताबिक, आरोपी ने करीब 15 दिन पहले एआई तकनीक से बेटी के साथ अपनी तस्वीर एडिट की थी। आरोप है कि शादी का दबाव बनाने के लिए वह इन तस्वीरों को सोशल मीडिया पर वायरल कर रहा है। उसने पीड़ित, उसके भाई राजेंद्र और अन्य परिचितों के मोबाइल पर भी तस्वीरें भेजीं। 20 नवंबर को बेटी की शादी होने के बाद आरोपी फोन कर धमकी देने लगा कि उससे शादी न करने पर वह उसका विवाहित जीवन बर्बाद कर देगा। पीड़ित ने तस्वीरों के स्क्रीनशॉट पुलिस को सौंपे हैं। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर विवेचना निरीक्षक बेग्राम सिंह को सौंपी है।

ड्यूटी पर गईं रोडवेज अधिकारी, पीछे से सूने मकान के ताले तोड़ लाखों के जेवर चोरी

अलीगढ़ (लवकुश ठाकुर) अलीगढ़ बन्ना देवी क्षेत्र के सारसौल स्थित गुरु रामदास नगर में चोरों ने एक सूने मकान को निशाना बनाकर लाखों रुपये के जेवरात पार कर दिए। वारदात रोडवेज की वरिष्ठ केंद्र प्रभारी संगीता देवी के घर हुई। घटना के समय वह ड्यूटी के सिलसिले में एटा में थीं। शुक्रवार शाम घर लौटने पर ताले टूटे और सामान बिखरा देखकर उन्हें चोरी की जानकारी हुई। संगीता देवी का करीब एक महीने पहले अलीगढ़ से एटा तबादला हुआ था। बृहस्पतिवार को ड्यूटी के बाद शुक्रवार सुबह छह बजे फिर ड्यूटी होने के चलते वह एटा में ही रुक गई थीं। चोरों ने इसी दौरान मुख्य गेट और कमरों के ताले तोड़कर अलमारी में रखे कीमती जेवरात चोरी कर लिए। वह घर में अकेली रहती हैं, जबकि उनका बेटा दिल्ली में नौकरी करता है। सूचना पर बन्ना देवी पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की। आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है। सीओ द्वितीय धनंजय सिंह ने बताया कि प्राथमिकी दर्ज कर चोरों की तलाश की जा रही है। जल्द ही घटना का खुलासा किया जाएगा।

ओटीएस योजना में हेरफेर: लिपिक ने स्वीकृत गणना चार्ट बदला

बरेली। (पं सत्यम शर्मा) बरेली। नगर निगम के संपत्ति कर विभाग (जोन- 3) में एकमुश्त समाधान योजना (ओटीएस) के तहत बड़े हेरफेर का मामला सामने आया है। यहां तैनात एक लिपिक ने उच्चाधिकारी से स्वीकृति मिलने के बाद करदाता की फाइल में लगा 11.10 लाख रुपये से अधिक का मूल गणना चार्ट हटाकर 8.60 लाख रुपये का दूसरा चार्ट लगा दिया।मामला हजियापुर निवासी जमुना प्रसाद की संपत्ति (कंप्यूटर आईडी 09385) से जुड़ा है। उन्होंने वर्ष 2014-15 के मूलधन और ब्याज को अलग करने के लिए 6 नवंबर को आवेदन किया था। लिपिक ने 11,10,941.43 रुपये का चार्ट तैयार किया, जिसे 14 नवंबर को मुख्य कर निर्धारण अधिकारी ने स्वीकृति भी दे दी। इसके बाद फाइल से मूल चार्ट गायब कर कम राशि वाला चार्ट लगा दिया गया।?नगर आयुक्त संजीव कुमार मौर्य तक शिकायत पहुंचने पर जब फाइलों की जांच हुई, तो राजस्व को नुकसान पहुंचाने वाली इस गड़बड़ी का खुलासा हुआ।

What disease does frequent belching indicate? Learn when ignoring it can be costly.

If you're someone who frequently belches, this article is useful. We'll explain the reasons behind it. Frequent belching may seem like a common problem, especially after eating. However, if it persists throughout the day, or is accompanied by stomach pain, or a bloating, gas, heartburn, to a digestive problem. Therefore, it's not wise to simply ignore belching. In this article, let's explore the common causes of frequent belching, what symptoms should prompt a doctor's consultation, and what daily habits can be changed to reduce this problem. Causes of Frequent Burping: 1. Excessive Air Swallowing: Excessive air can enter the stomach when eating too quickly, talking while eating, chewing gum, or drinking through a straw. This can increase belching. 2. Carbonated drinks: Soda, sparkling water and other fizzy drinks can cause excess gas in the stomach, which can lead to frequent belching. 3. Acid reflux: When stomach acid moves upwards, it can cause heartburn, sour belching, sore throat and frequent belching. 4. Indigestion and gas: Eating too much, fried food or some foods which the body cannot digest easily can cause gas and heaviness in the stomach. 5. Gastritis: Due to inflammation in the inner lining of the stomach, some people may experience problems like stomach ache, nausea, early belching and belching. 6. Due to some foods: If milk or some other foods do not suit the body, then gas, bloating and belching can increase after consuming them. When to consult a doctor? If belching persists or is accompanied by symptoms like severe stomach pain, frequent vomiting, difficulty swallowing, unexplained weight loss, vomiting blood, or black stools, then a doctor should be consulted immediately. If belching is accompanied by chest pain or difficulty breathing, it should not be ignored thinking it to be just gas. What to do to reduce belching? Eat slowly and chew food thoroughly. Reduce the intake of carbonated drinks and chewing gum. Try to eat small amounts of food instead of eating large amounts at once. If the problem occurs repeatedly after eating a particular food item, then limiting its intake and consulting a doctor may be considered.



Women, take note: These period signs may indicate a health problem. Learn the full story from your doctor.

Every woman needs to understand that her period can help her determine her health. Let's find out what doctors have to say about this. In women's health, periods are often viewed solely as menstruation, but changes in their cycle can reveal many important health issues. Problems like missed periods, changes in bleeding, or increased pain can be a source of concern for many women. Often, women ignore these changes, assuming they are normal. But is every change normal? What changes in periods should women pay special attention to, and when is it necessary to consult a doctor? To learn more about this, let's learn from Dr. Shweta Mendiratta, Director and Unit Head, Obstetrics and Gynecology, in this article about which menstrual signs should not be ignored. Consistently irregular periods - Occasional periods can be normal. Stress, travel, or changes in routine can also cause this. However, if periods remain irregular for a long time, conditions like PMOS or thyroid may need to be investigated. Excessive bleeding - If bleeding is significantly heavier than normal during periods or persists for a long time, it should not be ignored. Prolonged heavy bleeding can lead to iron deficiency and anemia. Sudden light bleeding or cessation of periods - Sudden lightening of periods or temporary cessation of periods can be caused by many factors. Pregnancy, rapid weight loss, inadequate nutrition, excessive exercise, and hormonal changes may be possible reasons for this. Severe pain during periods - Mild pain or cramps can be common during periods. However, if the pain is so severe that it interferes with work, sleep, or exercise, and requires frequent pain medication, it should be evaluated by a doctor. Conditions like endometriosis, adenomyosis or fibroids can also cause more pain. Bleeding between periods - If there is sudden bleeding or frequent spotting between two periods, it is important to understand its cause. The reason behind this could be hormonal changes or other gynecological reasons. If this problem is happening continuously, then it is better to seek medical advice. Lifestyle can also have an impact - Constant stress, lack of sleep, sudden weight change, eating too little or exercising excessively can also affect the menstrual cycle. Therefore, instead of getting worried about a one-time change, it is important to see whether the problem is happening again and again or not.



Relationship Tips: Why does a wife get angry frequently? These husbands' habits could be the reason

Wives feel hurt when men don't understand or value their wife's feelings. Furthermore, constantly comparing her and finding fault with her decisions can create distance in the relationship. Love, trust, and understanding are essential in a husband-wife relationship. Most couples possess these three qualities, but sometimes a wife's good mood suddenly turns sour. This isn't due to mood swings, but rather due to some mistakes on the part of the husband. Men, knowingly or unknowingly, do things that cause their wives to feel upset. Every person's feelings and expectations are different, so it's necessary that every wife reacts the same way to a husband's words. However, a lack of communication and respect in relationships can often increase tension. Wives are more hurt or upset when husbands ignore their concerns. A wife feels hurt when men don't understand or value their feelings. Additionally, repeatedly comparing your partner and finding fault with their decisions can create distance in the relationship. Find out if your wife often seems angry or in a bad mood, and whether your behavior is the real reason. Ignoring things - If your husband doesn't listen carefully to your wife or constantly ignores her concerns, she may feel that her feelings are being neglected. It's important to spend time with each other and communicate openly in a relationship. Comparisons - Comparing your wife to a friend, relative, or other person can be off-putting. Such comparisons can affect self-confidence and create unnecessary stress. Lack of respect - Using derogatory language in anger, publicly mocking her, or constantly dismissing your partner's opinions can harm the relationship. Even when there are disagreements, respectful communication is the best option. Sharing responsibilities - Considering household and family responsibilities to be solely the responsibility of one person can also lead to resentment. Cooperation in everyday tasks and fair sharing of responsibilities can improve a relationship. The most important thing is to speak directly and calmly to your partner, rather than assuming resentment. Open communication can prevent many small problems from escalating into larger ones.



Shah Rukh Khan showed his swag with the song "Daddy Cool" 30 years ago; two singers together made the "King" look like a fool.

Did you know that 30 years before King, Shah Rukh Khan released the song "Daddy Cool"? His song was also a huge hit. King's latest song, "Daddy Cool," is in the news. SRK also danced to the song "Daddy Cool" 30 composed by Anu Malik. Shah Rukh film, "King." The actor recently released hit on the internet as soon as it was "Daddy Cool," was remade in Khan reunited after 15 years in this song, swag and style in the song are worth appeared in the song "Daddy Cool" 30 "Daddy Cool" was made 30 years ago. a heroine, but with actor Anupam Kher. Boney M.'s "Daddy Cool," but it was Malik created a different version of the Chahat. The film starred Shah Rukh Shah, and Ramya Krishnan. A fun song created for the film, titled "Daddy Cool." cult classic "Daddy Cool," but Anu completely different song. Shah Rukh Anupam Kher was shown in the song Shah Rukh finds a way to make him cool. The lyrics of the song depict the banter between father and son which was penned by Maya Govind. The song was sung by two singers - Sudesh Bhosle and Devang Patel. The speciality of this song was its music which was composed by Anu Malik. Today even though King's song 'Daddy Cool' is in the news, but 30 years ago Shah Rukh's fun song 'Daddy Cool' was also liked a lot.



years ago - Shah Rukh's Daddy Cool song was Khan is currently in the news for his upcoming his second song, "Daddy Cool," which became a released. The 50-year-old Boney M. cult classic, Bollywood style. Shah Rukh and Kareena Kapoor and their chemistry set the stage on fire. SRK's watching. But did you know that Shah Rukh Khan years ago? Inspired by a 50-year-old song? Yes, Shah Rukh Khan appeared in this song, not with According to IMDb, this song was inspired by recreated in a completely different way. Anu original song. This song was from the 1996 film Khan, Anupam Khan, Pooja Bhatt, Naseeruddin featuring Anupam and Shah Rukh Khan was The title of the song was inspired by the 1976 Malik simply borrowed the title and created a was called a fool in the song - Daddy Cool who calls his son (Shah Rukh) a fool. Meanwhile,

Kendall Jenner wore an Om-trident print sarong with a bikini, photos went viral online; people trolled her.

Supermodel Kendall Jenner's recent photos, in which she wore an Om-print sarong, have sparked controversy. Kendall Jenner's Om-print sarong over a bikini, sparking strong objections and outrage on social media. Kylie Jenner shared photos of her sister Kendall. Kendall Jenner has a strong fan following in India. People love her fashion sense. Whenever she shares a post on social media, it receives millions of likes within hours. However, her recent post is currently making headlines. It so happened that she traveled to the Bahamas to celebrate Justin Bieber's wife, Hailey Bieber, on her birthday holiday. Kendall also joined her sister Kylie Jenner on this birthday holiday. Now Kylie has shared two pictures with sister Kendall from Bahamas holiday on social media. Kylie-Kendall's photos go viral- In the pictures of Kylie and Kendall that surfaced on Instagram, their cute bond is worth seeing but people's attention went to Kendall's outfit which surprised everyone and now there is an uproar over it. Argument over Kendall's dress- Actually, in the photos, Kendall Jenner has carried an Om print sarong with a black colour bikini which has now become the root of controversy. As soon as Kendall's photos surfaced, they went viral on social media, with people calling them an insult to Sanatan Dharma. People are outraged by Kendall's sarong: One user said, "Om is not just a design or fashion statement; it is a sacred symbol of faith and Sanatan tradition for millions of Hindus. Please respect our religious beliefs and symbols." Another user wrote, "The sacred religious symbols of Sanatan culture are not fashion accessories to be worn over swimwear. Celebrities and stylists should do some basic research before turning someone's faith into an 'aesthetic' for vacations." One user commented, "Our traditional clothing is your beach cover-up? Wow." Another user said they liked the photo until they saw Kendall's bikini cover-up. Similarly, people are expressing displeasure over Kendall wearing an Om-printed sarong.



After three consecutive shows were shelved, and she didn't find work for a year... now, Hiba Nawab makes a stunning comeback on TV as a "witch."

Jhanak actress Hiba Nawab has opened up about her latest show and the difficult phases of her career. Hiba Nawab returned to TV with "Lo Chudail Chali Sasural." The actress took a break from drama and chose a comedy-supernatural show - after a difficult year, she landed this new project. Hiba Nawab, the actress of serials Jhanak and Woh Toh Hai Albela, had been wanting to do a comedy and supernatural project for a long time. She got that opportunity with the serial "Lo Chudail Chali Sasural." She plays Urvashi in this serial, which airs on Sony SAB. Hiba, who entered the TV industry with the intention of doing just one serial, has talked about her career and her new serial. I wanted a break from drama. Amidst many dilemmas, Hiba explains her decision to join this serial, "I've been wanting to do comedy for a long time. I've been doing drama serials nonstop for the past five years. Now I needed a break from drama. I also wanted to do a supernatural project. This show brought both together. I had no good reason to say no. However, when the offer came to me, I was in talks with other channels for other projects. That's why things were a bit stuck. We started shooting last June, but I had been in talks for this since January or February. Then, finally, I learned that the other project wasn't happening. That's when I got a call from the producer, and I said, 'Sir, I'm coming.'" Mummy Ki Pyari Chudail - Regarding her mother's reaction to her role as the beautiful and cheerful witch, Hiba says, "To be honest, I didn't even tell my mother about it at first. Usually, I tell my family that I'm going to do a show and that my character is like this. This time, I didn't tell them because I thought everyone would make fun of me. After watching the show's promo, my mom's reaction was, "Oh, you've got your real character! You're a witch!" I said, "That's why I wasn't telling anyone." Then I told my mom, "I'm a cute witch, right?" She said, "Yes, you are a cute witch. My friends tease me like this too." From one show to a journey of years. Hiba wasn't serious about acting initially. She explains, "I initially thought I'd do one show and then leave. I wasn't very interested then, but after the first one, I immediately got another. I was only 17 years old then.I wouldn't say I was a particularly good actress. I tried very hard in the beginnig, learned a lot, and even got scolded a lot. Then, gradually, I understood things. As I gained different experiences, my art improved. I want my journey to continue like this." Difficult Times - Regarding the unexpected difficult times in her career, Hiba says, "Usually, after finishing a project, I deliberately stay home for two to two and a half months. I don't like to sit for more than that, but after the end of my last show, Jhanak, I stayed home for a year, despite my unwillingness. Before 'Lo Chudail Chali Sasural', three of my serials were shelved one after the other. That was very disappointing for me. Along with that, I also had some problems in my family, so the last year was quite difficult for me." It's Important to Feel Safe Regarding self-reliance and empowerment for girls, Hiba says, "It's crucial for a girl to feel secure in every aspect of life. What will people think, what will they say, how will they behave? To become independent, empowered, and achieve something in life, a sense of security from these things is essential. During adolescence, girls can be provided with this sense of security by their parents or someone older than them. After marriage, it's also the husband's responsibility to ensure that girls feel secure. Without a sense of security, how can girls concentrate fully on their work? I can tell you this from my own experiences. My parents lived with me and supported me immensely. If I have achieved anything in life, I give them all the credit because they never taught me to be afraid or nervous. While there are many negative things in this industry, I never had to face anything like that. Their support was essential until I grew up."

